11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 56

जबलपुर, बुधवार 25 मार्च 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

सरकार के प्रयासों से किसानों की दुगुनी-तिगुनी हो गयी है: शिवराज

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोक सभा में कहा कि सरकार के प्रयासों से बड़ी संख्या में किसानों की आय दुगुनी-तिगुनी हुई है। श्री चौहान ने प्रश्न काल में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सरकार ने सिंचाई सुविधाएं बढ़ाकर और अन्य सहूलियतें प्रदान कर एक वर्ष में दो से तीन फसलें लेने के उपाय किये हैं, जिससे कई किसानों की आय चौगुनी और आठ गुनी तक हो गयी है। सरकार के गंभीर प्रयासों से यह संभव हो पा रहा है।उन्होंने कहा कि कृषि बजट एक लाख 30 हजार करोड़ रुपये का कर दिया गया है। कृषि विभाग से संबंद्ध अन्य विभागों और इकाइयों का बजट जोड़ दिया जाये तो यह पांच लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का हो गया है। उन्होंने कहा कि उत्पादन बढ़ा है, तो किसानों की आय भी है। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादन लागत का 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करती है, जिससे किसानों को उपज के बेहतर दाम मिल रहे हैं। एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीद की जा रही है।

सरकार गेहूं, धान, दलहन, तिलहन, फल और सब्जियां एमएसपी पर खरीदती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों की सरकार हर संभव मदद करती है। महाराष्ट्र में हाल में बारिश से फसलों खासकर सोयाबीन को हुए नुकसान की भरपाई के लिए राज्य सरकार ने त्वरित कदम उठाते हुए 14 हजार करोड़ रुपये किसानों के खातों में डाले हैं। सरकार अन्दाता-जीवनदाता किसान के साथ खड़ी है। किसानों को हर हालत में उनकी फसल की कीमत दी जायेगी। कृषि मंत्री ने एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सरकार निरंतर रिकॉर्ड खरीद करती जा रही है। आगे भी सरकार ऐसे प्रयास जारी रखेगी। उन्होंने बताया कि पहले बीमा कंपनियां 16.7 प्रतिशत की दर से कृषि बीमा पर प्रीमियम लेती थीं, लेकिन अब यह घटकर 10.2 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने बताया कि 15 करोड़ 15 लाख किसानों ने फसल बीमा के लिए आवेदन दिया है। बीमित कृषि क्षेत्र 622 लाख हेक्टेयर हो गया है। उन्होंने बताया कि बीमा दावा राशि जल्द मिले, इसके लिए समय सीमा निर्धारित कर दी गयी है। इक्कीस दिन में बीमा की राशि किसानों के खाते में डालनी होगी, देरी करने पर बीमा कंपनियों को 12 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करना होगा। श्री चौहान ने बताया कि पहले कृषि फसल के नुकसान का आकलन तहसील स्तर पर होता था, अब उसे पंचायत स्तर पर ला दिया गया है। अब एक किसान की फसल के नुकसान पर भी बीमा राशि दी जाती है।

ईरान की रणनीति देख भारत ने भी पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को किया ऑपरेशनल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान की अमेरिका-इजराइल के खिलाफ चल रहे महायुद्ध ने इस चिंता को बढ़ा दिया है। इस वैश्विक तनाव और पाकिस्तान-चीन सीमा पर बढ़ते खतरे के बीच भारतीय सेना ने अपनी रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय सेना ने एक और पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल कर लिया है और इस साल के अंत तक एक और रेजिमेंट को शामिल करने की तैयारी में है। इससे सेना के पास अब 7 पिनाका रेजिमेंट हो गए हैं, जो पाकिस्तान और चीन सीमा पर तैनात हैं। मीडिया रिपोर्ट में रक्षा सूत्रों ने हवाले से बताया गया है कि पिनाका के आठवें रेजिमेंट के लिए अब आधे से ज्यादा उपकरण प्राप्त किए चुके हैं और 2026 के अंत तक पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएगा। अगले साल दो और रेजिमेंट को शामिल करने की योजना है, जिससे कुल संख्या 10 हो जाएगी। भारतीय सेना का लक्ष्य 22 पिनाका रेजिमेंट बनाने का है, जिसमें नई लंबी दूरी वाली गाइडेड मिसाइलों से लैस संस्करण शामिल होंगे। ये पुरानी सिस्टम की जगह लेंगे और छोटे मिसाइल-ड्रोन के हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे। भारत की पाकिस्तान से सटी पश्चिमी सीमा और चीन से सटी उत्तरी सीमा पर हालात लंबे समय से संवेदनशील रहे हैं। खासतौर पर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद सेना ने अपनी आर्टिलरी ताकत को तेजी से मजबूत करने का फैसला लिया। भारतीय सेना ने तब भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड, टाटा पॉवर और लार्सन एंड टुरबो के साथ करीब 2,580 करोड़ रुपए के छह पिनाका रेजिमेंट के लिए समझौता किया था।

ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती: ईरानी प्रतिबंधों और नौसैनिक सुरक्षा के बीच भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुए गतिरोध के बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। वैश्विक तनाव के कारण ईंधन आपूर्ति ठप होने की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए, भारतीय नौसेना की सुरक्षा में दो एलपीजी टैंकर और एक कच्चा तेल वाहक जहाज भारत की ओर सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर भारी शुल्क लगाए जाने की चर्चाएं गर्म थीं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते शिपिंग संकट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने अपना ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का आधिकारिक दौरा रद्द कर दिया है। वर्तमान में उनका पूरा ध्यान खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीय हितों और नाविकों की सुरक्षा पर केंद्रित है। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार, ओमान की खाड़ी और अदन की खाड़ी में कोलकाता-श्रेणी के विध्वंसक जहाजों को तैनात किया गया है, जो चौबीसों घंटे भारतीय ध्वज वाले जहाजों को सुरक्षा कवच प्रदान कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता है कि तनावपूर्ण माहौल के बावजूद ईरान ने भारतीय एलपीजी जहाजों—पाइन गैस और जग वसंत—को बिना किसी

अतिरिक्त शुल्क के गुजरने की अनुमति दी है। भारत में ईरानी दूतावास ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें जहाजों से करोड़ों डॉलर की वसूली का दावा किया जा रहा था। इन दोनों जहाजों पर लगभग 92,000 टन एलपीजी लदी है, जो मार्च के अंत तक भारतीय तटों पर पहुंच जाएगी। इसके अतिरिक्त, सऊदी अरब से आ रहा तेल टैंकर एमटी कलिस्टा भी भारतीय नौसेना की निगरानी में पारादीप बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है। मौजूदा संकट केवल भारत तक सीमित नहीं है; फारस की खाड़ी में इस समय लगभग 500 व्यापारिक टैंकर फंसे हुए हैं।

जंग के मैदान में हथियार फेंककर भागे ट्रंप, नेतन्याहू बोले- कुछ भी हो हम तो लड़ेंगे और जीतेंगे

यरूशलेम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जंग का मैदान छोड़कर भाग गए हैं। पहले दिन ट्रंप ने दमदारी से कहा था कि अमेरिका ओर इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया है। फिर 24वें दिन बोले अब अमेरिका 5 दिन तक ईरान पर हमला नहीं करेगा। तभी इजराइली पीएम ने ऐलान करते हुए कहा कि हम ये जंग लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई महत्वपूर्ण चर्चा की जानकारी साझा करते हुए बताया कि दोनों नेता एक ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जो इजरायल के रणनीतिक हितों को सुरक्षित रखते हुए युद्ध के लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। हालांकि, इस बातचीत के बावजूद नेतन्याहू ने ईरान और लेबनान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखने का अपना संकल्प दोहराया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति ट्रंप इजरायल और अमेरिका की संयुक्त सैन्य उपलब्धियों को एक ठोस समझौते में बदलने के पक्ष में हैं। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली सेना ईरान के परमाणु

और मिसाइल कार्यक्रमों को लक्षित करना जारी रखेगी। उन्होंने खुलासा किया कि हाल ही में इजरायली अभियानों में दो और ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को ढेर किया गया है और हिजबुल्लाह के खिलाफ भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। उनका संदेश स्पष्ट है कि जब तक अंतिम समझौता नहीं होता, इजरायल अपने हितों की रक्षा के लिए सैन्य दबाव कम नहीं करेगा। इसी बीच, वाशिंगटन से एक राहत भरी खबर आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उन्होंने अमेरिकी सैन्य विभाग को ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और बिजली संयंत्रों पर प्रस्तावित हमलों को पांच दिनों के लिए स्थगित करने का निर्देश दिया है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच शत्रुता समाप्त करने को लेकर सकारात्मक और उत्पादक बातचीत शुरू हुई है और यह स्थगन इन्हीं चर्चाओं की प्रगति पर निर्भर करेगा। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब युद्ध अपने चौथे सप्ताह में है और तेल की बढ़ती कीमतों सहित वैश्विक हवाई मार्गों पर मंडराते खतरे ने अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी हलचल तेज है। बहरीन ने एक नया मसौदा प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें सदस्य देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का अधिकार देने की वकालत की गई है। इस प्रस्ताव में मांग की गई है कि ईरान वाणिज्यिक जहाजों पर हमले तुरंत बंद करे। यदि यह प्रस्ताव पारित होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बलों को नेविगेशन बाधित करने वाले तत्वों के खिलाफ संबंधित देशों के क्षेत्रीय जल के भीतर भी सैन्य कार्रवाई करने की अनुमति मिल सकती है।

सऊदी से हर तरह की मदद और समर्थन के बाद भी ईरान को खुश करने में लगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की विदेश नीति पर हालिया रिपोर्ट ने सवाल उठाए गए हैं। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच 'स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' जैसे रक्षा समझौते मौजूद हैं। इसके बावजूद सऊदी अरब में ईरानी हमलों पर इस्लामाबाद की प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक अखबार में छपे लेख में लिखा है कि दशकों से सऊदी अरब की ओर से वित्तीय और रणनीतिक समर्थन मिलने के बावजूद पाकिस्तान ईरान को 'खुश करने' की नीति अपनाए हुए है। लेख में कहा गया है कि यह ध्यान देने योग्य है कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के संबंध सात दशकों से भी ज्यादा पुराने हैं। सऊदी सुरक्षा के लिए पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों की तैनाती सालों से एक संस्थागत व्यवस्था के रूप में स्थापित रही है। इसके अलावा, सऊदी अरब में लाखों पाकिस्तानी नागरिक काम कर रहे हैं, जो इस्लामाबाद की विदेशी मुद्रा आय में अहम योगदान देते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान से बार-बार हमलों का सामना करने के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने चेतावनी दी है कि ईरानी आक्रामकता के सामने किंगडम का संयम 'असीमित नहीं है', जिसका अर्थ है कि सैन्य कार्रवाई अभी भी एक विकल्प हो सकता है। इस बीच अरब और इस्लामिक देशों ने एक संयुक्त बयान में तेहरान से अपनी आक्रामकता रोकने का आग्रह किया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने 7 मार्च को सार्वजनिक रूप से पश्चिम एशिया के देशों के खिलाफ हुई आक्रामक कार्रवाइयों के लिए माफी मांगी। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों पर हमले जारी रखे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तेहरान का उद्देश्य न केवल इजराइल को नुकसान पहुंचाना है, बल्कि पश्चिम एशिया के देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भी उनके अहम अवसंरचना को निशाना बनाकर प्रभावित करना है। युद्ध में सबसे ज्यादा प्रभावित खाड़ी देशों में सऊदी अरब, यूएई और कतर शामिल हैं, जबकि दोहा ने कथित तौर पर हमास, हिज़्बुल्लाह और हूती जैसे ईरानी प्रॉक्सी समूहों का समर्थन करने में धन खर्च किया है, जिसका उद्देश्य इजराइल पर लगातार दबाव बनाए रखना बताया है। इस बीच, यूएई के उद्योग और उन्नत प्रौद्योगिकी मंत्री सुल्तान अल जाबेर ने चेतावनी दी है कि ऊर्जा अवसंरचना पर हमले उनके संचालन को प्रभावित कर रहे हैं और तनाव बढ़ने पर इसके गंभीर प्रभाव हो सकते हैं।

जंग थमी नहीं है... और... बढ़ेगी, अब सऊदी और यूएई करने लगे भीषण हमलों की तैयारी

दुबई, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष अब एक निर्णायक और अधिक भीषण मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा है। ताजा घटनाक्रम के अनुसार, ईरान के खिलाफ इस युद्ध में अब सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के भी सक्रिय रूप से शामिल होने की तैयारी है। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन रणनीतिक हलचलों ने युद्ध के और फैलने की आशंका बढ़ा दी है। ईरान द्वारा यूएई समेत कई स्थानों पर किए गए धमाकों के बाद इन देशों के रुख में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान के खिलाफ युद्धक तैयारियों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। खबर है कि सऊदी अरब ने किंग फाहद एयर बेस तक अमेरिकी सेना की पहुंच को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐतिहासिक रूप से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि सऊदी अरब लंबे समय से यह कहता आया है कि वह अपनी धरती या एयर बेस का इस्तेमाल अपने पुराने दुश्मन ईरान पर

हमले के लिए नहीं होने देगा। वहीं, यूएई ने कथित तौर पर अपने देश में स्थित ईरान के मालिकाना हक वाले एक प्रमुख अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है, जिन्हें तेहरान के लिए सामरिक और कूटनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता था। कुछ रिपोर्टों और वीडियो साक्ष्यों से यह भी संकेत मिले हैं कि ईरान पर हालिया हमलों में इस्तेमाल की गईं मिसाइलें बहरीन से दागी गई थीं। कूटनीतिक मोर्चे पर भी सऊदी अरब ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। सऊदी प्रशासन ने ईरान के सैन्य अटैची और दूतावास के चार कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। सऊदी अरब ने ईरान पर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिससे तेहरान इस क्षेत्र में कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ता दिख रहा है। दूसरी ओर, यूएई ने पुष्टि की है कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली ईरान की ओर से होने वाली लगातार गोलाबारी और मिसाइल हमलों को रोकने में सक्रिय है। इस तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अस्थायी राहत का संकेत दिया है। उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए दी गई समयसीमा बढ़ा दी है और घोषणा की है कि अमेरिका पांच दिनों के लिए ईरानी बिजली संयंत्रों पर होने वाले हमलों को टाल रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे के समाधान की संभावना जताई और दावा किया कि अमेरिकी दूत एक प्रभावशाली ईरानी नेता के साथ संपर्क में हैं। उन्होंने स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के माध्यम से वार्ता जारी रहने की बात कही है, हालांकि ईरानी अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर किसी भी बातचीत से इनकार किया है।

दिल्ली में दवाओं की गुणवत्ता और भंडारण की स्थिति भी बेहद खराब पाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग)-2024 की रिपोर्ट में 2016 से 2023 के दौरान दिल्ली सरकार के अस्पतालों में वितरित की जा रही दवाओं की गुणवत्ता और गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दवाओं की गुणवत्ता और रखरखाव प्रभावित होने की स्थितियों के बावजूद उन्हें समय पर वापस लेने और वितरण पर रोक लगाने की प्रक्रिया प्रभावी नहीं रही। यह भी पाया गया कि सभी दवाओं का अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण तय नहीं किया गया। इसके अलावा दवा भंडारण की स्थिति भी बेहद खराब पाई गई। कई स्थानों पर दवाओं को फर्श, शौचालय परिसर और सीढ़ियों पर रखा गया जो तय मानकों के विपरीत है। इससे दवा आपूर्ति प्रणाली और मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कैग रिपोर्ट से साफ होता है कि इस अवधि में दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था में संसाधन, गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी तीनों स्तर पर गंभीर खामियां बनी हुई थीं। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) वर्ष 2016 से 2023 के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे के लिए आवंटित 35.16 करोड़ में से केवल 9.78 करोड़ ही खर्च कर सका, जो योजना निर्माण और क्रियान्वयन में सरकार की कमजोरी को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक योजना भी लक्ष्य से पीछे रही। 1000 क्लीनिक के लक्ष्य के मुकाबले मार्च 2023 तक केवल 523 क्लीनिक ही स्थापित किए जा सके। मोबाइल स्वास्थ्य योजना और स्कूल स्वास्थ्य योजना भी अपेक्षित लक्ष्य हासिल नहीं कर सकीं। इसके अलावा 150 पालीक्लिनिक स्थापित करने की योजना में से 2018-19 तक केवल 28 ही चालू हो सके।

ट्रंप का सिरदर्द बने ईरान के सस्ते ड्रोन, अब ड्रैगनफायर लेजर तकनीक करेगी 1000रु. में शिकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जारी युद्ध में ईरान के सस्ते कामिकेज ड्रोन्स ने सैन्य रणनीति और अर्थशास्त्र के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेना के लिए ये ड्रोन सबसे बड़ा सिरदर्द साबित हो रहे हैं, क्योंकि ईरान द्वारा महज 20-30 हजार डॉलर की लागत से तैयार किए गए एक ड्रोन को गिराने के लिए अमेरिका को थाड या पैट्रियट जैसी करोड़ों डॉलर की इंटरसेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ रही हैं। यह युद्ध के मैदान में एक ऐसा आत्मघाती खेल बन गया है, जहां हमलावर कम निवेश कर रक्षक का खजाना खाली कर रहा है। हालांकि, इस आर्थिक चुनौती का समाधान अब अमेरिका के मित्र देश ब्रिटेन ने ढूंढ निकाला है। ब्रिटेन की नई तकनीक ड्रैगनफायर रेजर इन दिनों वैश्विक

रक्षा विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। जहां एक मिसाइल दागने की कीमत करोड़ों में होती है, वहीं ड्रैगनफायर लेजर का एक शॉट महज 10 पाउंड (लगभग 1000रुपये) का है। यानी एक सैंडविच या पिज्जा की कीमत में दुश्मन के घातक ड्रोन का काम तमाम किया जा सकता है। यह लेजर डायरेक्टेड एनर्जी वेपन तकनीक बारूद या मिसाइल के बजाय लाइट बीम का इस्तेमाल करती है, जिसे ब्रिटेन की प्रमुख रक्षा कंपनियों एमबीडीए, लियोनार्डो और क्विनिटिक ने मिलकर विकसित किया है। तकनीकी रूप से ड्रैगनफायर एक क्रांतिकारी हथियार है। इसकी मारक क्षमता इतनी सटीक है कि यह एक किलोमीटर की दूरी से एक रुपये के सिक्के जितने छोटे लक्ष्य को भी भेद सकता है। इसमें 50 किलोवाट श्रेणी की एक हाई-पावर लेजर बीम का उपयोग होता है, जो कई फाइबर लेजर को जोड़कर बनाई जाती है। यह बीम लक्ष्य की सतह पर इतनी भीषण गर्मी पैदा करती है कि धातु पल भर में पिघल जाती है और ड्रोन हवा में ही बिखर जाता है। चूंकि यह प्रकाश की गति से प्रहार करता है, इसलिए दुश्मन के ड्रोन को संभलने का एक मिलीसेकंड का समय भी नहीं मिलता। लागत के मोर्चे पर यह तकनीक अमेरिका के थाड सिस्टम से कहीं आगे है। थाड की एक मिसाइल की लागत लगभग 12-15 मिलियन डॉलर (100-120 करोड़ रुपये) होती है, जिसे सस्ते ड्रोन्स पर इस्तेमाल करना मक्खी मारने के लिए तोप चलाने जैसा महंगा सौदा है। ड्रैगनफायर की सबसे बड़ी खूबी इसका असीमित गोला-बारूद है; जब तक बिजली की आपूर्ति जारी है, यह फायर करता रह सकता है। यद्यपि यह फिलहाल बैलिस्टिक मिसाइलों के बजाय ड्रोन्स, मोर्टार और क्रूज मिसाइलों जैसे सॉफ्ट टारगेट्स के लिए सर्वोत्तम है, लेकिन यह युद्ध की पूरी आर्थिक नीति को बदलने की क्षमता रखता है। ब्रिटेन ने इसे 2027 तक अपने रॉयल नेवी युद्धपोतों पर तैनात करने का लक्ष्य रखा है, जो भविष्य के युद्धों में गेम-चेंजर साबित होगा।

भगवान श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व में सांदीपनि आश्रम का योगदान महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत-वृंद को सिंहस्थ : 2028 के लिए किया आमंत्रित

जीवनदीप आश्रम होगा आशा-करुणा और सेवा का प्रकाश स्तंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वृंदावन में जीवनदीप आश्रम लोकार्पण कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश से मथुरा-वृंदावन-गोकुल क्षेत्र का 5000 वर्ष से जीवंत संपर्क रहा है। भगवान श्रीकृष्ण बृज में पराक्रम करने के बाद शिक्षा ग्रहण करने उज्जैन के सांदीपनि आश्रम पधारे थे। इस नाते विश्व के सम्मुख भगवान श्री कृष्ण का जो विराट व्यक्तित्व आया उसमें उज्जयिनी का योगदान रहा। मथुरा-गोकुल के समान मध्यप्रदेश भी सनातन के विचार को बनाए रखने और उसके विस्तार में योगदान देता रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वृंदावन में जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, श्री पंच दस नाम जूना अखाड़ा महामंडलेश्वर जीवनदीप पीठाधीश्वर स्वामी यतींद्र आनंद गिरि, महामंडलेश्वर अवधेशानंद जी, साध्वी ऋतंभरा सहित समस्त संत वृंद तथा बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बालकों द्वारा प्रस्तुत हनुमान चालीसा के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वृंदावन में जीवनदीप आश्रम लोकार्पण समारोह में "सनातन धर्म और जीवन दर्शन" पुस्तक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जयिनी में वर्तमान में सिंहस्थ-2028 के लिए तैयारियां जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण में पधारे समस्त संत वृंद को सिंहस्थ-2028 के लिए आमंत्रित करते हुए उनसे उज्जैन पधारने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामी यतींद्र आनंद गिरि जी की आध्यात्मिक यात्रा और समाज के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि वर्तमान में विश्व के कई देशों की व्यवस्था लड़खड़ा रही है। सनातन धर्म-संस्कृति की ध्वजा कई विपरीत परिस्थितियों को झेलने के बाद भी पूर्ण गरिमा के साथ लहरा रही है। इसमें हमारे आश्रमों और संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने प्रदेश के बड़वानी जिले में सुश्री भारती ताई द्वारा गरीब बच्चों के लिए संचालित विद्यालय की सराहना की। पद्मभूषण से सम्मानित साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि जीवनदीप आश्रम से वृंदावन की भव्यता में और वृद्धि होगी। संसार में विद्यमान बाधाओं से बढ़कर हमारी मन की आंतरिक बधाएं होती हैं, जो किसी कार्य को पूर्ण होने से रोकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम लक्ष्य प्राप्ति के लिए मनसा वाचा कर्मणा, शत-प्रतिशत प्रयास करें तो दुनिया की कोई भी शक्ति हमें अपने ध्येय की प्राप्ति से रोक नहीं सकती।

बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान की धारा प्रवाहमान है। भविष्य में जीवन दीप आश्रम, ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन का बड़ा केंद्र बनेगा। हमारे संतजन जनकल्याण के कार्य को समर्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भाण्डेर के किसान सम्मेलन में रिमोट से विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया।

राममंदिर बनने के बाद पहली बार अयोध्या जाएंगे दिग्विजय सिंह

रामलला और हनुमान गढ़ी के करेंगे दर्शन, मंदिर पूरा होने पर दर्शन करने का लिया था संकल्प

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह 26 मार्च को अयोध्या जा रहे हैं। राम मंदिर के निर्माण के बाद यह उनका पहला अयोध्या दौरा होगा। खास बात यह है कि सिंह ने मंदिर निर्माण के दौरान ही घोषणा की थी कि जब प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा, वे तभी दर्शन करने जाएंगे। अब जबकि मंदिर का मुख्य निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है, वे अपना संकल्प पूरा करने पहुंचेंगे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर निर्माण के लिए 1 लाख 11 हजार 111 रुपए की निधि समर्पित की थी। उन्होंने हमेशा कहा कि वे राम भक्त हैं, लेकिन राजनीति और आस्था को अलग रखते हैं।

राष्ट्रपति ने चढ़ाया 150 किलो का स्वर्ण जड़ित श्री राम यंत्र : हाल ही में (19 मार्च 2026 को) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अयोध्या का दौरा किया। उन्होंने वहां 150 किलो का स्वर्ण जड़ित 'श्री राम यंत्र' स्थापित किया। नवरात्रि के पहले दिन राष्ट्रपति गुरुवार सुबह परिवार के साथ अयोध्या पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की।

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार, मुख्य मंदिर का निर्माण कार्य अब पूरा हो चुका है और अप्रैल अंत तक सभी तकनीकी औपचारिकताएं भी पूरी हो जाएंगी। राष्ट्रपति के इस दौरे को मंदिर की आध्यात्मिक पूर्णता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

दिग्विजय के अयोध्या का कार्यक्रम : दिग्विजय सिंह 26 मार्च को सुबह 8:10 बजे दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट से रवाना होंगे और 9:40 बजे अयोध्या पहुंचेंगे। वहां दर्शन करने के बाद वे दोपहर में सड़क मार्ग से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

लंबित भर्तियों में नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र करें पूर्ण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभागीय भर्ती प्रक्रियाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लंबित भर्तियों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में मानव संसाधन की कमी को शीघ्र दूर किया जा सके। उन्होंने कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) एवं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (पीएससी) के साथ निरंतर संपर्क एवं समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। साथ ही, सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी औपचारिकताओं को समय पर पूर्ण करने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पताल सहायक के रिक्त पदों की भर्ती के संबंध में प्रस्ताव को शीघ्र कर्मचारी चयन बोर्ड को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल सहायक के पद स्वास्थ्य संस्थानों के सुचारू संचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसकी पदपूर्ति प्रक्रिया में विलंब न किया जाए। मेडिकल कॉलेजों एवं स्वास्थ्य विभाग में नर्सिंग टीचरों की नियुक्ति प्रक्रिया की भी समीक्षा की और प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित एवं योग्य नर्सिंग स्टॉफ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक एवं अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक पाठशाला : मंत्री भूरिया

भोपाल। मध्यप्रदेश में शाला-पूर्व शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रदेशभर के आंगनवाड़ी केन्द्रों में मंगलवार को बच्चों का विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया आंगनवाड़ी से प्रारंभिक शिक्षा पूरी कर विद्यालय में प्रवेश लेने जा रहे बच्चों को ह्वविद्यारंभ प्रमाणपत्रह्व प्रदान कर सम्मानित किया। प्रदेश के 97 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केन्द्रों में एक साथ आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 10 लाख बच्चे आंगनवाड़ी से आगे बढ़कर औपचारिक स्कूली शिक्षा की ओर कदम रख रहे हैं। भोपाल के नेहरू नगर आंगनवाड़ी क्रं. 1061 में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र बच्चों के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक पाठशाला हैं, जहाँ पोषण और शिक्षा दोनों का समग्र ध्यान रखा जाता है। आंगनवाड़ी केन्द्र केवल बच्चों की देखभाल का स्थान नहीं बल्कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा का समन्वित केन्द्र हैं। यहाँ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन से लेकर बच्चे के जन्म और छह वर्ष की आयु तक उनके पोषण, स्वास्थ्य और समग्र विकास का ध्यान रखा जाता है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में ह्लपोषण भी, पढ़ाई भीह्व कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, इससे बच्चों को खेल-खेल में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाती है। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि 3 से 6 वर्ष की आयु के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों के शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

भोपाल में मुस्लिम समाज का प्रदर्शन

बोले-इस्लाम में गो मांस हराम, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

भोपाल। पुराने शहर के इतवारा चौराहे पर मंगलवार को ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के बैनर तले मुस्लिम समाज ने प्रदर्शन कर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और गौ माता के सम्मान में मुस्लिम समाज मैदान में जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शन के दौरान कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि उनके मजहब इस्लाम में गाय का मांस खाना और उसका वध करना हराम माना गया है। उन्होंने कहा, ह्लहम गौ रक्षा के पक्षधर हैं। हमारे नबी का फरमान है कि न हम गाय को काट सकते हैं और न ही उसका मांस खा सकते हैं। गाय का दूध और घी हमारे लिए उपयोगी बताया गया है, जिसका हम नियमित इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने देश में गाय और बछड़ों को लेकर बन रहे तनावपूर्ण हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि इस मुद्दे को गलत दिशा में ले जाया जा रहा है। जब हम गाय को माता का दर्जा देते हैं, तो उसे राष्ट्रीय पशु घोषित करने में सरकार को क्या आपत्ति है। खास बात यह है कि मुस्लिम समाज खुद यह मांग कर रहा है, इसलिए इसमें देरी नहीं होनी चाहिए।

शमशुल हसन ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि जल्द से जल्द गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। उनका कहना था कि ऐसा होने से गायों के वध और इससे जुड़ी अफवाहों व आरोप-प्रत्यारोप पर रोक लगेगी, साथ ही वास्तविक दोषियों की पहचान भी आसान होगी।

शराब के नशे में बेटे ने पिता का चेहरा काटा

विवाद के बाद फसल काटने वाले हथियार से किया वार; गंभीर हालत में ICU में भर्ती

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के गोण्डा गांव में सोमवार देर शाम शराब के नशे में धुत एक बेटे ने विवाद के बाद अपने पिता पर फसल काटने वाले नुकीले हथियार 'खुरच' से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में चेहरे और छाती पर गंभीर चोटें आने से पिता हरिश्चंद्र उईके बुरी तरह घायल हो गए। घटना के समय मां खेत से लौटकर आई थीं और उनके सामने ही बेटे वासुदेव उईके ने वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल घायल पिता को जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है और पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी बेटे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नशे में घर पहुंचा था बेटा, माता-पिता से किया विवाद : अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के अनुसार, गोण्डा निवासी हरिश्चंद्र उईके का बेटा वासुदेव उईके देर शाम शराब के नशे में घर पहुंचा था। घर आते ही वह अपने माता-पिता से विवाद करने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर बेटे वासुदेव ने घर में रखे फसल काटने के उपयोग में आने वाले नुकीले हथियार (खुरच) को उठा लिया और अपने ही पिता पर हमला कर दिया।

बचाव करने पर चेहरे और छाती पर लगा हथियार : बेटे द्वारा किए गए इस हमले के दौरान पिता हरिश्चंद्र उईके ने खुद को बचाने के लिए अपने हाथों से वार रोकने की कोशिश की। बचाव करने के बावजूद नुकीला हथियार उनके चेहरे और छाती पर लग गया, जिससे वे खून से लथपथ होकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

मां के सामने दिया वारदात को अंजाम, केस दर्ज : घटना के समय हरिश्चंद्र की पत्नी बेबी उईके खेत में फसल काटने गई हुई थीं। जब वह काम खत्म कर घर लौटीं, तो उन्होंने देखा कि बेटा वासुदेव अपने पिता से झगड़ा कर रहा था। उसी दौरान मां के सामने ही उसने पिता पर हमला कर दिया। घायल हरिश्चंद्र को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। यहां उनकी हालत गंभीर होने के चलते उन्हें आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। मामले की सूचना पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है और आरोपी बेटे के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

कुंभ गर्ल मोनालिसा की शादी पर संत समिति बोली

समाज के मुंह पर कालिख पोतने जैसा काम

खामेनेई पर बोले-किसी भी धर्मगुरु की हत्या स्वीकार्य नहीं

भोपाल। कुंभ के दौरान चर्चा में आई मोनालिसा की शादी को लेकर अब संत समाज की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। अखिल भारतीय संत समिति मध्यप्रदेश के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष स्वामी अनिलानंद ने इस पूरे मामले पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देखिए शादी-विवाह करना तो आपसी मेल-मिलाप से होता है, इसमें कोई दो राय नहीं है। मोनालिसा जैसे व्यक्ति, जो कुंभ से चर्चा में आई और उसके बाद जिस तरह से वह ट्रोल हुई, उसके बाद जो कदम उन्होंने उठाया, वह पूरे समाज के मुंह पर कालिख पोतने जैसा है। अनिलानंद ने कहा कि इस मामले में परिवार की सहमति भी नहीं है। परिवार वाले भी इसके खिलाफ बताए जा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, अगर दूसरे नजरिए से देखा जाए तो उस समय वह जिस लड़के के साथ थीं, दोनों लव जिहाद फिल्म के ट्रेंड में काम कर रहे थे। वह फिल्म पर काम कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने शादी कर ली। स्वामी अनिलानंद ने समाज के दृष्टिकोण को भी सामने रखते हुए कहा कि अगर आप किसी भी समाज में हैं चाहे मुस्लिम समाज में हैं या हिंदू समाज में तो आपको उसी समाज में विवाह करना चाहिए। समाज अगर आपको सम्मान देता है, आपको आगे बढ़ाता है, तो आपको ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे समाज के सम्मान पर आंच आए।

किसी भी धर्मगुरु की हत्या स्वीकार्य नहीं : ईरान के धर्मगुरु आयतुल्लाह अली खामेनई को लेकर सामने आए घटनाक्रम पर संत समाज ने प्रतिक्रिया दी है। स्वामी अनिलानंद ने इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति किसी समाज का धर्मगुरु होता है, अगर उसके ऊपर कोई आंच आती है, तो उसके अनुयायी आवाज जरूर उठाएंगे। यह पूरी तरह स्वाभाविक है। उन्होंने आगे कहा, ह्लखामेनई शिया समाज के धर्मगुरु हैं और पूरे विश्व में उनके अनुयायी हैं। ऐसे में अगर उनके साथ इस प्रकार की घटना होती है, तो विरोध होना स्वाभाविक है और इसे गलत नहीं कहा जा सकता।

अनिलानंद ने अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा, ह्लक्या दुनिया में ऐसा कोई कानून है कि आप किसी के घर में घुसकर उसकी हत्या कर दें? क्या यह तरीका सही है? यह पूरी तरह गलत और निंदनीय हैह्व उन्होंने कहा, ह्लजब इस तरह की घटनाएं होती हैं तो स्वाभाविक रूप से उनके अनुयायी, चाहे वे किसी भी धर्म या देश के हों, अपनी आवाज उठाते हैं। साथ ही उन्होंने कहा, ह्लकोई भी देश अगर अपने आप को बड़ा मानता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह दूसरे देशों या लोगों को रौंदता चला जाए।

केरल को लेकर कहा वहां बहुत पहले से हो रहा धर्मांतरण : केरल को लेकर लगातार उठ रहे सवालों और चचाओं पर स्वामी अनिलानंद ने विस्तृत प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक और वर्तमान दोनों संदर्भों में समझाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ह्लदेखिए पुराने समय से यह चलता आ रहा है कि जब कोई सशक्त राजा होता था, तो वह छोटे राज्यों को अपने में मिलाने के लिए उन पर आक्रमण करता था।

यह एक तरह का विस्तारवाद था। उन्होंने आगे कहा, लेकिन आज के समय में इस प्रकार का सीधा आक्रमण नहीं किया जाता। अब लोगों को धर्मांतरण के माध्यम से प्रभावित किया जाता है। यह एक नया तरीका है प्रभाव बढ़ाने का। केरल को लेकर उन्होंने कहा, ह्लकेरल को इसलिए टारगेट किया जाता है क्योंकि वह देश का एक किनारे का हिस्सा है।

रायसेन में चलती ट्रेन से गिरा युवक, मौत

रायसेन। रायसेन के दीवानगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक की चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। पुलिस को सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद दीवानगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मृतक की पहचान इटावा (उत्तर प्रदेश) निवासी रवि पिता वासुदेव सिंह के रूप में हुई है। युवक के पास से मिले बैग में रखे दस्तावेजों और मोबाइल फोन के जरिए उसकी शिनाख्त की गई। पुलिस के अनुसार, युवक ग्वालियर से वारंगल की यात्रा कर रहा था। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि वह चलती ट्रेन से गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दीवानगंज अस्पताल के मोर्चरी रूम में रखवा दिया है। पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। परिजनों के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। दीवानगंज पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गैस किल्लत की अफवाह से एजेंसी पर उमड़े उपभोक्ता

देवरी। देश में गैस की किल्लत की चचाओं के बीच सोमवार को स्थानीय गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने पहुंचे। परिसर में अव्यवस्था की स्थिति बन गई। गैस एजेंसी संचालक राजेंद्र रघुवंशी ने कहा कि क्षेत्र में गैस की कोई कमी नहीं है। सभी उपभोक्ताओं को नियमानुसार सिलेंडर दिए जा रहे हैं। अफवाहों के कारण लोग एक साथ पहुंच रहे हैं। इससे भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि शासन स्तर से उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन की आपूर्ति जारी है। पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं। उपभोक्ताओं से कहा गया कि अनावश्यक भीड़ न लगाएं। अपने निर्धारित समय पर ही गैस लेने आएं। संचालक ने कहा कि कोई व्यक्ति अधिक राशि वसूलता मिले। अवैध रूप से गैस वितरण करता मिले। इसकी शिकायत तुरंत पुलिस में करें।

मां की बेटियों ने की भव्य महाआरती

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नवरात्रि के पावन अवसर पर मां की बेटियों एवं बड़ी खेरमाई महिला समिति की अध्यक्ष रीना पाल के नेतृत्व में भव्य मां आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उपस्थित होकर मां की आरती में भाग लिया और भक्ति भाव से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान मां की भव्य आरती निकाली गई, साथ ही लगभग छह मीटर लंबी

चुनरी भी अर्पित की गई। मां का विशेष श्रृंगार कर उन्हें चुनरी अर्पित की गई, जिससे पूरा परिसर दिव्य और आकर्षक दिखाई दिया। समिति द्वारा महिलाओं के लिए प्रसाद और श्रृंगार सामग्री का वितरण भी किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन विगत 10 से 12 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है, जिसमें मां की बेटियों द्वारा हर वर्ष आरती की रैली निकाली जाती है और पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। इस आयोजन ने एक बार फिर क्षेत्र में श्रद्धा, आस्था और एकता का संदेश दिया।

तुलजा भवानी की मराठा कुलाचार से हो रही पूजा अर्चना

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आई तुलजा भवानी मंदिर, त्रिशूलभेद, न्यू भेड़ाघाट में क्षत्रिय मराठा समाज जबलपुर द्वारा स्थापित मराठा समाज और छत्रपति शिवाजी महाराज की कुल स्वामिनी, पार्वती स्वरूपा तुलजा भवानी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के नौ दिवस तुलजा भवानी माता का नौ विभिन्न रूपों से श्रृंगार और मराठी पद्धति से बने महाराष्ट्र से आये आभूषणों से अलंकरण किया जा रहा है। प्रतिदिन भवानी माता के भक्त आई भवानी के दर्शन कर अभिभूत हो रहे हैं। सर्वविदित है कि महाकौशल क्षेत्र में मराठा शासनकाल में बड़ी संख्या में मराठी भाषी आये और आकर यहीं बस गए। जबलपुर संस्कारधानी के पौराणिक महत्व के त्रिशूल भेद नाना खेड़ा न्यू भेड़ाघाट में स्थापित आई तुलजा भवानी का श्रीविग्रह महाराष्ट्र से जुड़े लोगों की आस्था का बड़ा केन्द्र है। वर्ष भर प्रतिदिन तीन प्रहर और दोनों नवरात्रों में मराठा कुलाचार से महाराष्ट्रीयन पदाति के साथ ही वैदिक आचार्यों व्दारा सप्तशती पाठ विधि विधान से पूजा अर्चना की जाती है। इस भव्य आयोजन में माता के श्रृंगार और पूजा-अर्चना में शामिल होकर भक्तगण अपने आप को भाग्यशाली मान रहे हैं। मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है, और हर कोई माता के दर्शन कर अपने जीवन को पुण्यमय बना रहा है।

जैविक खेती को खुद अपनाया और अब किसानों को भी कर रहे प्रेरित.

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

फसलों में रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुये जिला अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक डॉ आशुतोष अग्निहोत्री मरीजों के उपचार की जिम्मेदारी निभाने के साथ एक जागरूक किसान की भूमिका निभाते हुये कृषि न केवल खुद जैविक खेती कर रहे हैं बल्कि आसपास के किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने चिकित्सक डॉ आशुतोष अग्निहोत्री के शहपुरा विकासखण्ड के ग्राम कमतीया स्थित फार्म का कल अवलोकन किया। इन अधिकारियों में उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम, अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी एवं स्थानीय कृषि अधिकारी शामिल थे। उप संचालक कृषि ने बताया कि डॉ अग्निहोत्री ने अपने 5 एकड़ के फार्म में देसी गाय के पालन करने के साथ-साथ बायोगैस प्लांट, कंपोस्टिंग पिट एवं गौ मूत्र और गोबर को सिंचाई के साथ ही छिड़काव करने का आधुनिक तरीका अपनाया है।

सांसद निधि से बन रही सीमेंट सड़क

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि शहर के साथ-साथ पूरे प्रदेश में सांसद विकास निधि से कार्य करा रही हैं। उपनगरीय क्षेत्र आधारताल में अब्दुल हमीद वार्ड मे भी श्रीमती वाल्मीकि ने पासी मोहल्ले की सीमेंट सड़क की स्वीकृति दी है। क्षेत्रीय पार्षद विमल राय ने कन्याओं से पूजन करा कर विधिवत कार्य का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर चमनलाल पासी, डॉ राजेश जायसवाल, अजय पटेल, मुकेश कोरी रोहित विश्वकर्मा, जानकी पासी, गणेश गुप्ता, संदीप कोरी, भगवान दास कोरी आदि मौजूद रहे।

अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त गौतम का अभिनंदन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ऑल इंडिया ईपीएफ कर्मचारी संघ सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ की मप्र टीम द्वारा अपने नए मृदुभाषी और बेहतरीन सकारात्मक सोच के अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त परम गौतम की मध्य प्रदेश/छत्तीसगढ़ आंचलिक भोपाल में पदस्थापना का हार्दिक स्वागत, वंदन अभिनंदन करता है। वर्षों बाद मप्र और छत्तीसगढ़ को एक प्रगतिशील, दूरदर्शी एवं कर्मचारी हितैषी नेतृत्व प्राप्त हुआ है, जिससे संगठन के कार्यों में नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा मिलने की अपेक्षा है। ऑल इंडिया ईपीएफ कर्मचारी संघ (भारतीय मजदूर संघ सम्बद्ध), मध्य प्रदेश इकाई के स्टेट सचिव और अखिल भारतीय उपाध्यक्ष छवि कुमार ठाकुर, भोपाल यूनिट सचिव और अखिल भारतीय संगठन मंत्री विक्रम सिंह तोमर, लक्ष्मीनारायण साहू यूनिट सचिव इंदौर और अखिल भारतीय सह सचिव, संदीप यादव उपाध्यक्ष इंदौर, आशीष वैष्णव संयुक्त सचिव इंदौर, अभिषेक तिवारी को स्टीयरिंग कमेटी सदस्य द्वारा श्री गौतम से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री गौतम ने अपने विचार साझा करते हुए संगठन के कार्यों को पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। संघ को विश्वास है कि श्री गौतम के मार्गदर्शन में संगठन एवं कर्मचारियों के हितों को नई ऊँचाइयाँ प्राप्त होंगी।

वार्ड मंडलम कमेटी का गठन एवं ईद मिलन समारोह

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तहत बाल गंगाधर तिलक वार्ड की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष समर्थ अवस्थी एवं ब्लॉक प्रभारी अशरफ मंसूरी एवं पार्षद एवं उप नेता प्रतिपक्ष गुड्डू नवी ने की जिसमें उपस्थित पूर्व विधायक विनय सक्सेना, बाबा रिजवान, पप्पू वसीम खान, नसीम खान, आरिफ बेग, अब्दुल रऊफ, हाजी साबिर साहब, अरशद अली, रिजवान अली कोटि, तौफीक अहमद,रोशनी पासी,लक्ष्मी चौहान जी,आसिफ मंसूरी,अरुण पवार,शशांक यादव रशीद समीर जकी खान,अशफाक खान,शेरू,एजाज खान डीजे,अरमान खान, सुबूर उस्मानी,वसीम खान टायर शबीर उस्मानी,सहित वार्ड के सभी कांग्रेसजन उपस्थित रहे। बैठक में मंडलम/वार्ड अध्यक्ष के लिए हाशिम खान अनीश गौरी, अशरफ सिराजी के नाम का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही, वार्ड के सभी साथियों ने अपने क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

351वाँ अमृत महोत्सव भव्यता एवं श्रद्धा के साथ संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हनुमान चालीसा समिति द्वारा आयोजित 351वाँ अमृत महोत्सव मंगलवार को श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भजन-कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में प्रांत, विभाग, जिला, प्रखंड एवं खंड स्तर के दायित्ववान कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में आम जनमानस की गरिमामयी उपस्थिति रही। संपूर्ण आयोजन भक्ति, अनुशासन एवं संगठनात्मक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। मुख्य रूप से अजय चौरसिया, संजय तिवारी, शिवा विश्वकर्मा, गंगाराम जी, नितिन शाखा धांधे, कोमल सिंह लोधी एवं कुमार राठौड़ की विशेष उपस्थिति रही। इनके साथ क्षेत्र के राम भक्तों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से संगीतमय सुंदरकांड पाठ अत्यंत भव्य एवं भावपूर्ण रूप से संपन्न हुआ। संगीतमय सुंदरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भगवान हनुमान एवं प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन दिखाई दिए। आयोजन स्थल पर आध्यात्मिक ऊर्जा एवं उत्साह का अद्भुत वातावरण बना रहा। इस अवसर पर समाज में एकता, समरसता एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश भी प्रसारित किया गया। समिति द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद एवं राम भक्तों के सतत सहयोग से यह साप्ताहिक कार्यक्रम निरंतर प्रत्येक मंगलवार को इसी प्रकार आयोजित होता रहेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में हनुमान चालीसा समिति तथा विश्व हिंदू परिषद - बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रांझी में मंगलवार को हिन्दी माध्यम में कक्षा नर्सरी से नवम और एकादश तक के भैया बहनों का परीक्षा परिणाम घोषित किये गए। सभी कक्षा में प्रथम, द्वितीय ,तृतीय आने वाले भैया बहनों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरण किए गए। विद्यालय के द्वारा दी जाने वाली कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति पुरस्कार में प्राथमिक माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक के भैया बहनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिक्षा परिषद के कोषाध्यक्ष विष्णु कांत ठाकुर, अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, व्यवस्थापक राहुल सिंह चौहान, संतोष पटेल, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य पुष्पराज सिंह सेंगर, प्राचार्य श्रीमती मोनिका सरकार, अंग्रेजी माध्यम की प्रिंसिपल श्रीमती प्रियांकी श्रीवास्तव, श्रीमती अलका श्रीवास, पाली प्रमुख सुरेश झारिया विद्यालय के सभी आचार्य दीदी और बड़ी संख्या में नगर के अभिभावक और हमारे विद्यालय के छात्र भैया बहन उपस्थित रहे। प्राथमिक विभाग की परीक्षा प्रभारी श्रीमती तजिंदर कौर वासन और उच्चतर विभाग की परीक्षा प्रभारी श्रीमती नीतू सिंह के द्वारा परीक्षा परिणाम की घोषणा में सहभागिता की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती शोभना मिश्रा ने किया।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जबलपुर मप्र

टीबी मुक्त भारत के लिए 100 दिवसीय निक्षय अभियान का शुभारंभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विश्व क्षय दिवस के अवसर पर जिला क्षय केंद्र में सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा के मुख्यातिथ्य में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के सौजन्य से 15 टीवी मरीजों को फूड बास्केट का वितरण किया गया। विदित हो कि पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय द्वारा जूनोटिक टीवी जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है जिसमें विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह में पशुजन्य क्षय रोग का मानव एवं पशुओं के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों हेतु जागरूकता कार्यक्रम किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर की प्रोफेसर श्रीमती मधु स्वामी एवं उनकी टीम विशेष रूप से उपस्थित थीं, उनके द्वारा 15 टीवी मरीजों को फूड बास्केट वितरण किया गया इस कार्यक्रम में जिला क्षय अधिकारी डॉ संतोष सिंह ठाकुर, कोऑर्डिनेटर सुनील शर्मा, सीमांत ढिमोले, हल्दकर सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के उपरांत विश्व टीवी दिवस के अवसर पर एक जनजागरूकता रैली भी जिला चिकित्सालय परिसर से निकाली गई, जिसका उद्देश्य था आम लोगों में टीबी के लक्षणों एवं उसके फैलाव को कैसे रोका जाए। बिना जन सहयोग के टीबी को खत्म करना मुश्किल है टीबी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए जन सहयोग एवं जन जागरूकता की महती आवश्यकता है। टीबी की जानकारी जन सामान्य को होगी तभी हम टीवी मुक्त भारत का सपना साकार कर पाएंगे।

निक्षय फेज -2 का शुभारंभ : शासन के निर्देशानुसार विश्व क्षय दिवस के अवसर पर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आज 24 मार्च को 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान का शुभारंभ भी हुआ। सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा ने बताया कि इस अभियान के प्रमुख उद्देश्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील जनसंख्या में सक्रिय टीबी की पहचान, शीघ्र निदान, उपचार, पोषण सहायता तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से टीबी को फैलने से रोकना है। अभियान के अंतर्गत जिले में चिन्हित किए गए उच्च जोखिम गांवों में जनसँख्या की स्क्रीनिंग की जाएगी। आयुष्मान आरोग्य शिविरों में संभावित मरीजों की टीबी की पहचान के लिए एक्सरे के साथ एनीमिया के लिए ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और बीएमआई की जांच की जाएगी। इसके साथ ही ग्राम वार एवं विकासखंड वार शिविर लगाकर संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

भगवान से पहचान कराते हैं गुरु : स्वामी भगवतानंद गिरी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्री राम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जबलपुर के मदन महल स्थित श्री राम मंदिर में आयोजित श्री राम कथा के दौरान कथा वाचक स्वामी भगवतानंद गिरी महाराज ने शिव विवाह प्रसंग के साथ जीवन से जुड़े गूढ़ आध्यात्मिक संदेश दिए। कथा में बताया गया कि शिव बारात में भूत-प्रेत भी शामिल होते हैं, जो भगवान शिव की अनोखी और व्यापक स्वरूप को दशार्ता है। कथा में बताया गया कि जीवन में भगवान की पहचान सद्गुरु ही कराते हैं। भगवान के साथ सत्संग भी जरूरी है और जीवन में सत्संग का विशेष महत्व होता है। गुरु ही जीवन में आने वाली कठिनाइयों से बचाते हैं और सही मार्ग दिखाते हैं। व्यास पीठ पूजन गुलशन मखीजा, मनोज शर्मा, जितिन नारंग, रमेश शर्मा,मनीष, पोपली,उमेश खुराना,गीता पांडे, नवीन हांडा ,प्रवेश खेड़ा,शैलू कपूर,राहुल सहगल,पुनीत गुलाटी,मदन बतरा,अनिल चंडोक,सोनिया नारंग,संगीता शर्मा,स्वाति कपूर,पूजा मखीजा,पूजा खेड़ा, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त जनों ने राम कथा का श्रवण किया।

राम मय नारी शक्ति की विशाल स्कूटर यात्रा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में महिला मंडल द्वारा मंगलवार को नरसिंह मंदिर से भव्य और विशाल सैकड़ो की संख्या नारी शक्ति नारायणी शक्ति अपने-अपने स्कूटर में पीत वस्त्र में पगड़ी पहन कर भगवान श्री राम और माता कात्यायनी के नारों के साथ निकाली गई। यात्रा को नरसिंह मंदिर से महासभा के संरक्षक श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज, श्रीमती माला सिंह, महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी और गुलशन माखीजा ने केसरिया ध्वज दिखाकर रवाना किया। महिला यात्रा की संयोजक नीता चावला, गीता पांडे, डॉ वाणी अहलूवालिया, कविता दुबे, संगीता शर्मा , नीता नारंग, नंदिता महाजन, कृष्णा यादव, कुसुम चौबे, मीरा दुबे ने बताया इस यात्रा में सबसे आगे श्री राम दरबार, छ रूपों में मां कात्यायनी देवी की सजीव झांकी, जीप में सवार मां दुर्गा अपने अपने रूपों आकर्षण का केंद्र रही ।नम्रता भाटिया, इंदुलता प्यासी, मीनाक्षी दत्त, सुनीता पोपली, सीमा सिंह, पूजा खेड़ा, सोनिया नारंग, साक्षी पांडे, स्वाति कपूर, सीमा मारवाह ने बताया यात्रा का मार्ग में स्वागत मंच लगा कर पुष्प वर्षा कर स्वागत वंदन किया गया। महिला स्कूटर रैली यात्रा का समापन राम मंदिर में भव्यता के साथ हुआ। इस अवसर पर शरद काबरा, लक्की भाटिया मनोज शर्मा, जतिन नारंग, संदीप मिश्रा, मनीष पोपली ने किया।

चार्जमेन आत्महत्या प्रकरण की निष्पक्ष हो जांच : एआईएएनजीओ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अखिल भारतीय अराजपत्रित अधिकारी संघ की जबलपुर जोन की टीम जिसमें ओएफके, जीसीएफ, व्हीएफजे, जीआईएफ शामिल है ने विगत दिनों वाहन निमार्णी जबलपुर में एक चार्जमेन द्वारा आत्महत्या किए जाने के प्रकरण की निष्पक्ष की जांच की मांग की एआईएएनजीओ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय रजक ने बताया कि विगत दिनों कार्य के दबाव में व्हीकल फैक्ट्री के एक चार्ज मेन ने आत्महत्या कर ली। जिसके परिपेक्ष में ए आई ए ए एन जी ओ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने रक्षा सचिव एवं विभिन्न अथॉरिटी को पत्र लिखकर इस विषय ठोस कार्रवाई करने की मांग की है। जेसीएम 3 अजय यादव ने बताया कि पिछले लगभग 4 वर्षों से चार्ज मेन कैडर में पदोन्नति न होने के कारण अचानक चार्जमेन की संख्या में भारी गिरावट हुई है। जिसके कारण चार्ज मेन पर अतिरिक्त कार्य का दबाव रहता है और वह मानसिक रूप से परेशान रहते हैं और अधिकारियों के द्वारा उन पर अतिरिक्त कार्य करने का दबाव बनाया जाता है। जिसका परिणाम 22 मार्च को व्हीकल फैक्ट्री में देखने को मिला जिसमें एक चार्जमेन ने कार्य के अतिरिक्त दबाव में आत्महत्या कर ली। इसी परिपेक्ष में थाना रांझी में ए आई ए एन जी ओ जबलपुर की टीम ने थाना प्रभारी के माध्यम से पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि घटना की निष्पक्ष जांच की जाए और और दोषियों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए। यदि निष्पक्ष जांच नहीं होती तो ए आई ए एन जी ओ के द्वारा बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

यह रहे उपस्थित : ज्ञापन सौंपते समय जबलपुर जोन से डीसी पांडे , शरद बोरकर, अजय चौहान ,जितेंद्र दुबे, नटराज अय्यर, सत्येंद्र सिंह, कुंवर पाल , श्री राम मीणा, अमित श्रीवास्तव, दिलीप सक्सेना, रमेश यादव,मधुसूदन दहिया, रॉबिंसन मसीह, मनीष चौरसिया ,देवराज मेहरा, सचिन सिंह , मुकेश विश्वकर्मा राजेश तिवारी, अशोक कुंडू ,अजय सिंह आदि अनेकों कार्यकर्ता जबलपुर जोन के प्रतिनिधि के रूप में शामिल रहे

सम्पादकीय

विश्व पर मंडराता मंदी का खतरा

ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हमले के तीन सप्ताह गुजरने के बाद उसकी तपिश पूरी दुनिया को झेलनी पड़ रही है। युद्ध में रक्तपात और सैन्य खर्च तो बढ़ते ही हैं, लेकिन उसके साथ ही दुश्वारियों का एक अंतहीन सिलसिला भी शुरू हो जाता है। दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर बढ़ते दबाव से लेकर उत्पादन के स्तर पर आ रही सुस्ती इसका एक उदाहरण है। तेल-गैस की किल्लत मुश्किलों को और बढ़ाने ही वाली है। अगर सीधे वित्तीय बोझ की बात करें तो केवल पहले सप्ताह में ही अमेरिका को 11.3 अरब डालर खर्च करने पड़े। युद्ध से जुड़े मोर्चे को मजबूत बनाए रखने के लिए अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने सालाना 838 अरब डालर के रक्षा बजट से इतर और 200 अरब डालर की मांग सामने रखी है। यह 200 अरब डालर की राशि उससे भी अधिक है , जितनी अमेरिका ने गत वर्ष अपने अपेक्षाकृत गरीब लोगों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करने पर खर्च की। युद्ध की कीमत केवल रक्षा खर्च में बढ़ोतरी के मोर्चे पर ही नहीं चुकानी पड़ती, बल्कि इसका असर कहीं व्यापक होता है। होर्मुज जल मार्ग में गतिरोध इसका एक बड़ा उदाहरण है। अमेरिका-इजरायल के हमलों के जवाब में ईरान ने इस तंग जलमार्ग में आवाजाही को अपने हिसाब से नियंत्रित किया है, जिसकी वजह से दुनिया भर में तेल एवं गैस आपूर्ति के समीकरण बिगड़ गए हैं। समझ लीजिए कि होर्मुज वह पाइपलाइन है, जिससे दुनिया के 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होती है। ईरान ने इस पाइपलाइन को ही बंद कर दिया है। उसके बाद से ही खाड़ी देशों में तेल उत्पादन औसतन एक करोड़ बैरल प्रतिदिन तक घटा है।

होर्मुज से तेल की ढुलाई युद्ध से पहले की तुलना में 10 प्रतिशत से भी कम रह गई है। तेल की कीमतें 72 डालर प्रति बैरल से बढ़कर 113 डालर बैरल तक पहुंचती दिख रही हैं। कई जानकार इसे अभी तक का सबसे बड़ा तेल संकट करार दे रहे हैं। आम लोगों के लिए इसका यही अर्थ है कि पेट्रोल-डीजल महंगी हो जाएंगे। रसोई गैस की कीमतें चढ़ेंगी। फैक्ट्रियों में उत्पादन से लेकर ट्रकों के जरिये ढुलाई के दाम बढ़ेंगे। उर्वरकों के जरिये खेती भी महंगी होगी। तेल की कीमतों में दस प्रतिशत की बढ़ोतरी महंगाई की दर में सामान्य तौर पर 0.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी करती है। युद्ध छिड़ने के बाद से तेल के दाम 50 प्रतिशत से अधिक तक बढ़ गए हैं।

गैस आपूर्ति का मुद्दा भी चिंता बढ़ा रहा है। विश्व में गैस की 20 प्रतिशत आपूर्ति कतर से होती है। यूरोप से लेकर एशिया तक फैक्ट्रियों को चलाने, घरों को गर्म रखने, खाना पकाने और उर्वरक बनाने के लिए इसी गैस पर बड़ी हद तक निर्भर हैं। मार्च के महीने में ही कतर का मुख्य गैस संयंत्र दो बार हमलों का शिकार बन चुका है। उसे इतना नुकसान पहुंचा है कि उसकी भरपाई में लंबा समय लगेगा और आपूर्ति को सामान्य होने में उससे भी अधिक वक्त। दुनिया के किसी भी हिस्से में गैस के बड़े रणनीतिक भंडार की कोई व्यवस्था नहीं। समझिए कि अगर पाइप बंद हुआ तो बैकअप में कोई टैंक नहीं है। इसका असर किसानों को खेतों से लेकर लोगों को रसोई तक दिखने भी लगा है। छह दिनों के दायरे में यूरिया की कीमतें 32 प्रतिशत बढ़ गई हैं। भारत में जल्द ही खरीफ की बोआई भी शुरू होने वाली है। इसमें गतिरोध पैदा होता है तो उसका असर और घातक होने वाला है।

क्या यह घटनाक्रम दुनिया में मंदी की दस्तक का संकेत है? मंदी का अर्थ है फैक्ट्रियों में उत्पादन का घटना, भर्तियों का कम होना, आमदनी का सिकुड़ना और अंततः अर्थव्यवस्था का सुस्त पड़ना। भले ही दुनिया भर में अर्थशास्त्री मंदी की बात स्वीकारने में हिचक दिखा रहे हैं, लेकिन इसकी भरी-पूरी आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। यहां तक कि युद्ध शुरू होने से पहले भी हालात कोई बहुत अच्छे नहीं थे।

विकल्पों की शीर्ष बैठक

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान युद्ध के दौरान पहली बार अपने 13 वरिष्ठ मंत्रियों के साथ विमर्श किया और हालात की समीक्षा की। सरकार देश भर में पेट्रोल-डीजल, गैस, उर्वरक के साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति और उपलब्धता को लेकर चिंतित है और प्रयास भी कर रही है। यह स्वागतयोग्य आचरण है। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों-सचिवों के समूह बनाने का निर्देश दिया है, ताकि हर स्तर पर समन्वय बरकरार रहे और आम आदमी को न्यूनतम परेशानियां झेलनी पड़ें। आयात और निर्यात के वैकल्पिक स्रोत खंगालने पर भी चर्चा हुई, क्योंकि युद्ध के बाद भी खाड़ी देश, भारत के लिए, अनिश्चित और अस्थिर रहेंगे। खतरे भी बने रहेंगे, लिहाजा वैकल्पिक सप्लाई चेन ही अंतिम रास्ता है। अब भारत ने ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, अल्जीरिया, नीदरलैंड, नॉर्वे आदि देशों के विकल्प स्थापित करने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान, इजरायल, मलेशिया, जॉर्डन, ओमान, कतर, कुवैत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों के राष्ट्राध्यक्षों, शासनाध्यक्षों, किंग, अमीर आदि से फोन पर संवाद किए हैं, जाहिर है कि प्रधानमंत्री ने अपनी चिंताएं और सरोकार साझा किए हैं और बार-बार शांति, स्थिरता, कूटनीति की पैरोकारी की है। फ्रांस, जर्मनी, फिनलैंड, स्पेन, स्विट्जरलैंड सरीखे देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार-प्रमुखों ने प्रधानमंत्री मोदी से लगातार आग्रह भी किया है कि युद्धग्रस्त देशों के दरमियान भारत सफल मध्यस्थता कर सकता है, क्योंकि अमरीका, इजरायल, ईरान भारत के मित्र-देश हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है और एक सार्थक लोकतंत्र भी है, लिहाजा भारत की भूमिका सर्वस्वीकार्य है। भारत ब्रिक्स देशों का भी अध्यक्ष है, उस नाते उन देशों को युद्धविराम में महती भूमिका निभाने को भी सहमत कर सकता है। यकीनन प्रधानमंत्री मोदी को इस संदर्भ में प्रयास जरूर करने चाहिए। बहरहाल प्रधानमंत्री और मंत्रियों ने तमाम विकल्पों पर विमर्श किया होगा, लेकिन हमारी जिज्ञासा है, सख्त सवाल नहीं है, कि आज 147 करोड़ से अधिक आबादी वाला देश, आजादी और संप्रभुता के 78 साल के बाद भी, कच्चे तेल, गैस, उर्वरक के मामले में आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया है? पिद्दी से देशों में तेल-गैस के अपरिमित भंडार हैं, क्या भारत में तेल-गैस के मद्देनजर सूखे की स्थिति है? पेट्रोलियम मंत्रालय लगातार खुलासा कर रहा है कि रसोई गैस (एलपीजी) के उत्पादन में 40 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। अपनी जरूरतों की 40 फीसदी एलपीजी का उत्पादन भारत करता ही है। यदि एलपीजी उत्पादन में, 20-22 दिन में ही, इतनी बढ़ोतरी की जा सकती है, तो हम अपनी जरूरतों की 70-80 फीसदी गैस तक पैदा कर सकते हैं! सरकार इस पर स्पष्टीकरण जरूर दे। जब 2014 में भाजपा केंद्र में सत्तारूढ़ हुई थी, तब उसने अपने घोषणा-पत्र में लिखा था कि ऊर्जा-सुरक्षा और उत्पादन में व्यापक सुधार किए जाएंगे। आज स्थिति यह है कि भारत को करीब 88.6 फीसदी कच्चा तेल, 60-66 फीसदी गैस और करीब 65 फीसदी खाद आयात करने पड़ते हैं। स्थिति पहले से बदतर ही हुई है। भारत इतना पराश्रित, मोहताज क्यों है कि युद्ध के कारण एक समुद्री मार्ग बंद किया गया, तो देश में गैस को लेकर हाय-तौबा मच गई? भारत का आयात बिल 1,05,000 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। बेशक देश में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी का गंभीर संकट है।

राज्यसभा चुनावः खुलेआम क्रॉस-वोटिंग कैसे कर पाते हैं विधायक

राज्यसभा की खाली सीटों के लिए हुए चुनावों में राजनीति खूब होती है मतदान के दौरान क्रॉस वोटिंग के खेल ने सुर्खियां बटोरती है । हाल ही में कुल खाली 37 राज्यसभा सीटों में से 11 के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच रस्साकशी देखने को मिली। ऐसा इसलिए क्योंकि बाकी 26 सीटों पर एक ही कैंडिडेट होने की वजह से वोटिंग नहीं हुई। अब बिहार, ओडिशा, हरियाणा में हुए चुनाव में विपक्षी दलों के कुछ विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। अंतरात्मा की आवाज पर ऐसा कदम उठाने वाले विधायकों को बागी भी करार दिया जाता है। राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया और इसमें 'क्रॉस वोटिंग' का मुद्दा भारतीय राजनीति में काफी चर्चा में रहता है। जैसे कि इस बार की गणित में एनडीए को फायदा हो गया।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव में कई कांग्रेसी विधायकों की तरफ से क्रॉस वोटिंग के बाद पार्टी में खूब गहमागहमी का माहौल बना हुआ है। आखिरकार कांग्रेस ने रतिया के विधायक सरदार जरनैल सिंह को भी क्रास वोटिंग करने के आरोप में कारण बताओ नोटिस थमा दिया है। जरनैल सिंह समेत पार्टी अब तक पांच विधायकों को नोटिस दे चुकी है। इनमें नारायणगढ़ की विधायक शैली चौधरी, सढौरा की विधायक रेणुबाला, पुन्हाना के विधायक मोहम्मद इलियास और हथीन के विधायक मोहम्मद इसराइल शामिल हैं। सभी को नोटिस मिलने पर सात दिन के भीतर जवाब देना होगा। हालांकि विधायकों ने क्रास वोटिंग के आरोपों को खारिज कर दिया है।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राज्यसभा चुनाव के बाद से पांच विधायकों के क्रास वोटिंग करने की बात स्वीकार कर रहे थे। 18 मार्च को जब कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस की तो उन्होंने चार विधायकों के नाम लिए और उन्हें नोटिस देने की बात कही। बीके हरिप्रसाद के इस बयान के बाद कांग्रेस के अंदर और मीडिया पर कांग्रेस आलाकमान पर सवाल उठने लगे थे। क्रास वोटिंग के आरोप से घिरे विधायकों ने भी आरोप लगाया कि इसमें पसंद व नापसंद का खेल खेला जा रहा है। जो पसंद है, उसे बचाया जा रहा है और जो पसंद नहीं है, उसे निपटाया जा रहा है।कांग्रेस के कई विधायक भी असमंजस में थे कि जब पांच विधायकों ने क्रास वोटिंग की तो चार को ही नोटिस क्यों दिया गया। इससे पार्टी पर दबाव बना और शुक्रवार को जरनैल सिंह को भी नोटिस दिया गया। जरनैल सिंह को भी नोटिस मिलने के अगले सात दिन के भीतर अपना जवाब देना होगा।

> आखिरकार कांग्रेस ने रतिया के विधायक सरदार जरनैल सिंह को भी क्रास वोटिंग करने के आरोप में कारण बताओ नोटिस थमा दिया है। जरनैल सिंह समेत पार्टी अब तक पांच विधायकों को नोटिस दे चुकी है।

राज्यसभा चुनाव 2026 में हाल के कई सालों की तरह इस बार भी कांग्रेस के विधायकों ने जमकर क्रॉस वोटिंग की। हरियाणा से लेकर ओडिशा तक में कांग्रेस के विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। बिहार में तो एक अलग ही खेला हुआ, कांग्रेस के तीन विधायक तो वोट ही करने नहीं पहुंचे। जिसके कारण बीजेपी गठबंधन बिहार में पांचों सीटें जीतने में सफल रहा।ढ्ढ्रूरू का साथ मिलने के बाद भी राजद उम्मीदवार को हार मिली, राजद उम्मीदवार को ही कांग्रेस सपोर्ट कर रही थी।

हरियाणा में कांग्रेस ने खुद स्वीकार किया है कि उसके पांच विधायकों ने बीजेपी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की है। वहीं ओडिशा में बीजेडी के आठ विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की है, खुद पार्टी ने यह जानकारी दी है, लेकिन उनके नाम बीजद की ओर से जारी नहीं किए गए हैं। हालांकि तीन विधायकों ने खुद ही स्वीकार किया है कि उन्होंने बीजेपी के पक्ष में मतदान किया है।

इसके पूर्व यूपी में राज्यसभा की 10 सीटों पर चुनाव होने थे। विधायकों की संख्या के हिसाब से बीजेपी के सात और समाजवादी पार्टी के तीन उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित थी। दोनों ही दलों ने पहले इतने ही उम्मीदवार उतारे भी थे, लेकिन बीजेपी ने आखिरी मौके पर एक और उम्मीदवार को उतारकर मतदान को जटिल बना दिया।

बताया जा रहा है कि इस चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के सात विधायकों ने क्रॉस-वोटिंग की है, जबकि एक विधायक वोट डालने नहीं आईं। वहीं नेशनल डेमोक्रैटिक अलायंस (एनडीए) में शामिल ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के एक विधायक ने भी क्रॉस-वोट किया। सपा विधायकों की क्रॉस-वोटिंग के चलते बीजेपी के सभी आठ उम्मीदवारों की जीत तय मानी जा रही है।

हालांकि, इस क्रॉस-वोटिंग को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सपा के नेता अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि बीजेपी ने विधायकों को प्रलोभन देकर और धमकाकर अपने उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कराया है। वहीं, बीजेपी का कहना है कि विधायकों ने अपनी मर्जी से वोट दिया है। क्रॉस-वोटिंग करने वाले विधायकों का कहना है कि उन्होंने अपनी 'अंतरात्मा की आवाज' पर मतदान किया है।

अयोध्या में राम मंदिर दर्शन को लेकर समाजवादी पार्टी के कुछ विधायकों में अपनी पार्टी के रुख पर नाराजगी जरूर थी, लेकिन ये विधायक पार्टी के खिलाफ चले जाएंगे, ऐसी उम्मीद नहीं थी। अब सवाल यह है कि क्रॉस वोटिंग क्या होती है? राज्यसभा सीट के लिए चुनाव में वोटिंग की प्रक्रिया क्या होती है और पाला बदलकर वोट डालने वाले विधायकों पर ऐक्शन कौन लेता है? इस 'सियासी खेल' में नियम कानून का हवाला क्या है? आइए समझते हैं हर सवाल का जवाब।जब किसी राजनीतिक दल का विधायक अपनी पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की बजाय विपक्षी दल के उम्मीदवार को वोट दे देता है, तो उसे 'क्रॉस वोटिंग' कहा जाता है। अगर सरल शब्दों में समझें तो अपनी पार्टी की तरफ से जारी निर्देश यानी व्हिप के खिलाफ जाकर दूसरे खेमे में मतदान करना ही क्रॉस वोटिंग कहलाता है।

क्रॉस-वोटिंग का मतलब है कि किसी पार्टी का विधायक किसी दूसरे दल के उम्मीदवार को वोट करे। हालांकि, मतदान करते समय पहले वोट को पार्टी के अधिकृत एजेंट को दिखाया जाता है और उसके बाद सभापति के पास जमा किया जाता है।

ये लेखक के अपने निजी विचार हैं।

युद्ध विराम के लिए भारत होगा संभावित विकल्प।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। विशेषकर तब जब दुनिया लगातार संघर्षों की आग में झुलस रही है, रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और अब अमेरिका-इजरायल-ईरान महायुद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक शांति स्थापित करने वाली संस्थाएं अपेक्षित प्रभाव खोती जा रही हैं। कभी विश्व राजनीति का केंद्र माने जाने वाला यह संयुक्त राष्ट्र संघ अब कई बार केवल औपचारिक बयानबाजी तक सीमित दिखाई देता है, युद्धविराम के प्रयास या तो बहुत देर से होते हैं या फिर प्रभावहीन सिद्ध होते हैं, यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना और कार्यप्रणाली आज के समय के अनुरूप है भी या नहीं, क्योंकि स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार ने कई बार निर्णय प्रक्रिया को जकड़ कर रख दिया है। परिणामस्वरूप शक्तिशाली देशों के हितों के आगे सामूहिक शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं, इस संदर्भ में यह धारणा भी बलवती हुई है कि संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव इस संस्था पर अत्यधिक है उसे अमेरिका का पिछलग्गु कहा जाता है जिससे निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं।

ऐसे जटिल वैश्विक समीकरणों के बीच भारत एक संतुलित और विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभर कर सामने आया है। भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सिद्धांत रहे हैं, यही कारण है कि भारत ने कभी भी किसी एक ध्रुव का समर्थन करने के बजाय संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। चाहे संबंध अमेरिका से हों या रूस से, चाहे इजरायल के साथ रणनीतिक साझेदारी हो या ईरान के साथ ऊर्जा और सांस्कृतिक रिश्ते, भारत ने हर दिशा में संतुलन बनाए रखा है, यही संतुलन आज उसे वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका के लिए उपयुक्त व बेहतर विकल्प बनाता है। वर्तमान परिस्थिति में जब पश्चिमी देश एक तरफ खड़े दिखाई देते हैं और कई इस्लामी देश दूसरी तरफ, तब भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में सामने आता है जिसके पास सभी पक्षों से संवाद करने की क्षमता और विश्वास दोनों हैं, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब तथा अन्य अरब देशों के साथ भारत के मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक संबंध हैं, वहीं फ्रांस और ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों के साथ भी भारत की साझेदारी मजबूत है, इसके अतिरिक्त अफ्रीकी देशों के साथ भारत का ऐतिहासिक सहयोग और विकासात्मक भागीदारी उसे एक व्यापक वैश्विक प्रतिनिधि बनाती है, यही कारण है कि आज जब संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं तब भारत को एक संभावित विकल्प या कम से कम एक प्रभावी पूरक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया में शांति स्थापित करना आसान नहीं है, भारत की अपनी सीमाएं हैं, उसकी प्राथमिकताएं हैं और उसकी आंतरिक चुनौतियां भी हैं, फिर भी भारत ने समय-समय पर शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाई है, चाहे वह शांति सैनिकों की तैनाती हो या मानवीय सहायता, भारत हमेशा अग्रणी रहा है, वर्तमान संकट में भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करता है, तो वह संवाद के नए रास्ते खोल सकता है। बैक-चैनल वार्ता, बहुपक्षीय बैठकें और क्षेत्रीय शांति सम्मेलन जैसे उपाय भारत के माध्यम से संभव हो सकते हैं, इसके साथ ही भारत का जी-20 जैसे मंचों पर नेतृत्व अनुभव भी उसे वैश्विक सहमति बनाने में मदद करता है, लेकिन यह अपेक्षा करना कि भारत पूरी तरह से संयुक्त राष्ट्र संघ का विकल्प बन जाएगा, शायद व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की संरचना, वैधता और वैश्विक स्वीकृति अभी भी अद्वितीय है, आवश्यकता इस बात की है कि भारत जैसे उभरते शक्तिशाली राष्ट्र इस संस्था में सुधार की दिशा में नेतृत्व करें, सुरक्षा परिषद का विस्तार, वीटो प्रणाली में बदलाव और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी जैसे कदम इस संस्था को पुनः प्रासंगिक बना सकते हैं, अंततः यह कहा जा सकता है कि आज की दुनिया एक नए संतुलन की तलाश में है, जहां पुरानी संस्थाएं कमजोर पड़ रही हैं और नई शक्तियां उभर रही हैं।

ये लेखक के अपने निजी विचार हैं।

लघुकथा

बढ़ता राजस्थान

मर्द

'आधी रात में उठकर कहां गई थी?'

शराब में धुत्त पति बगल में आकर लेटी पत्नी पर गुर्राया।

'आंखों को कोहनी से ढांकते हुए पत्नी ने जवाब दिया, 'पेशाब करने! '

'एतना देर कइसे लगा? '

'पानी पी-पीकर पेट भरेंगे तो पानी निकलने में टेम नहीं लगेगा?'

'हरामिन, झूठ बोलती है? सीधे-सीधे भकुर दे, किसके पास गयी थी? '

पत्नी ने सफाई दी- 'कऊन के पास जाएंगे मौज-मस्ती करने!'

माटी गारा ढोती देह पर कऊन पिरान छिनकेगा ? '

'कुतिया.. '

'गरियाब जिन, जब एतना मालुम है किसी के पास जाते हैं तो खुद ही जाके काहे नहीं ढूंढ लेता?'

'बेसरम, बेहया...जबान लड़ाती है ! आखिरी बार पूछ रहे हैं-बता किसके पास गयी थी? '

पत्नी तनतनाती उठ बैठी- 'तो लो सुन लो, गए थे किसी के पास। जाते रहते हैं। दारू चढ़ाके तो तू किसी काबिल रहता नहीं...'

'चुप्प हरामिन, मुँह झौंस दूंगा, जो मुँह से आँय-बाँय बकी। दारू पी के मरद-मरद नहीं रहता?'

'नहीं रहता... '

'तो ले देख, दारू पी के मरद-मरद रहता है या नहीं? '

मरद ने बगल में पड़ा लोटा उठाया और औरत की खोपड़ी पर दे मारा।...

हेल्थ टिप्स

बढ़ता राजस्थान

वजन घटाने की दवाएं होंगी 50% से ज्यादा सस्ती

वजन घटाने की महंगी दवाओं को लेकर अब लोगों के लिए राहत भरी खबर सामने आ रही है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में इन दवाओं की कीमत पहले के मुकाबले काफी कम हो सकती है। आपको बता दें कि सेमाग्लुटाइड टाइप 2 डायबिटीज और मोटापे को कंट्रोल करने वाली एक प्रभावी दवा है। सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन को ओजेम्पिक के नाम से भी बेचा जाता है। लेकिन ऑरिजनल ड्रग का पेटेंट एक्सपायर होने के बाद कई फार्मा कंपनियां इसके सस्ते विकल्प बाजार में लाने की तैयारी कर रही हैं। अब तक ये दवाएं काफी महंगी होने के कारण आम लोगों की पहुंच से बाहर थीं, लेकिन जल्द ही ये ज्यादा लोगों के लिए किफायती हो सकती हैं।

कम कीमतों पर मिलेगी वजन घटाने की दवा रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ कंपनियां इस दवा को करीब 1000-1500 रुपये प्रति माह की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध कराने की योजना बना रही हैं। अभी तक भारत में वजन घटाने वाली मूल दवा वेगोवी की मासिक खुराक की कीमत ?10,850 से लेकर ?16,400 के बीच है। लेकिन भारत की दो प्रमुख फार्मा कंपनियों, नैटको फार्मास्युटिकल्स और एरिस लाइफसाइंसेज इसके सस्ते जेनेरिक वर्जन लॉन्च करना शुरू कर दिया है। नैटको ने 'सेमनट' और 'सेमाफुल' नाम से 2 एमजी डोज की कीमत करीब 1,290 प्रति माह रखी है। वहीं, एरिस लाइफसाइंसेज 'सुनडई' ब्रांड के तहत इसी कीमत पर दवा उपलब्ध करा रही है।

बाजार में बढ़ेगी टक्कर पेटेंट खत्म होने के बाद अब कई बड़ी दवा कंपनियां इस क्षेत्र में उतरने की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सन फार्मा, डॉ रेड्डीज, जायडस, ल्यूपिन और अल्केम जैसी करीब 40 से ज्यादा भारतीय दवा कंपनियों को इस साल्ट के निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है या वे इस पर काम कर रही हैं। जैसे-जैसे कंपनियां बढ़ेंगी, वैसे-वैसे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए बेहतर कीमत और नए विकल्प पेश करेंगी।

अलग-अलग तरीके से मिलेगी दवा अब कंपनियां सिर्फ दवा ही नहीं, बल्कि उसे लेने के तरीके को भी आसान बनाने पर काम कर रही हैं। कुछ कंपनियां पहले से भरे हुए इंजेक्शन दे सकती हैं, जबकि कुछ पेन या छोटे डिवाइस के रूप में इसे उपलब्ध कराने की योजना बना रही हैं। इससे मरीजों को दवा लेना ज्यादा आसान और सुविधाजनक हो जाएगा, और वे अपनी जरूरत के हिसाब से सही विकल्प चुन सकेंगे।

सेमाग्लूटाइड क्या है? सेमाग्लूटाइड को शरूआत में टाइप-2 डायबिटीज के इलाज के लिए विकसित किया गया था। लेकिन बाद में यह वजन घटाने में भी बेहद प्रभावी पाया गया। यह दवा जीएलएपी1 रिसेप्टर एगोनिस्ट नामक दवाओं की श्रेणी में आती है, जो शरीर में भूख को कम करती है और ब्लड शुगर को प्रभावी तरीके से नियंत्रित करती है। नोवो नॉर्डिस्क इस साल्ट का इस्तेमाल कर वजन घटाने के लिए 'वेगोवी' और डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए 'ओजेम्पिक' नामक दवा बनाती है।

आज का राशिफल

मेष

सकारात्मक दृष्टिकोण रखने से प्रतीक्षित कार्यों में सफलता मिलेगी। जमीन-जायदाद से जुड़े अटके मामलों के सुलझने की उम्मीद है। नजदीकी संबंधियों के साथ किसी खास मुद्दे पर गंभीर और लाभदायक विचार-विमर्श होगा। पारिवारिक नियम और कायदों का पालन करें, वरना घर के वरिष्ठ नाराज हो सकते हैं। बिना वजह बदनामी या झूठा आरोप लगने जैसी स्थिति बन सकती है।

वृष

पारिवारिक कामों के कारण भागदौड ज्यादा करनी पड सकती है, लेकिन काम बन जाने से मन प्रसन्न रहेगा। फाइनेंस से जुडे फैसले सही रहेंगे। किसी राजनीतिक संपर्क से भी कुछ फायदा मिलने की उम्मीद है।

मिथुन

जल्दबाजी की बजाय सहज तरीके से काम करेंगे तो सफलता मिलेगी। किसी अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात आपकी सोच में सकारात्मक बदलाव लाएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

कर्क

आज आपको अपनी मेहनत और योग्यता के अनुरूप परिणाम मिलने वाले हैं। अगर घर की साज-सज्जा या बदलाव की योजना है, तो वास्तु सम्मत नियमों का प्रयोग फायदेमंद रहेगा। इस समय का भरपूर उपयोग करें।

सिंह

दिन की शुरुआत आनंददायक रहेगी। मित्रों और संबंधियों के साथ गेट-टुगेदर का प्रोग्राम बन सकता है, जिससे रोजमर्रा की दिनचर्या में बदलाव आएगा। आपके विचारों को नई दिशा मिलेगी।

कन्या

आज जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपकी कोई मनपसंद इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे मन खुश रहेगा। नए कामों को आगे बढाने के लिए कुछ लोगों का सहयोग भी मिलेगा।

तुला

इस समय का ग्रह गोचर आपके लिए बहुत अनुकूल है। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह और सहयोग से सामाजिक रूप से आपकी छवि निखरेगी। नजदीकी संबंधियों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

वृश्चिक

अनुकूल ग्रह स्थिति बन रही है। इस समय दिल की बजाय दिमाग से काम लेना ज्यादा फायदेमंद रहेगा। नजदीकी संबंधियों के साथ प्रापर्टी को लेकर गंभीर और लाभदायक विचार-विमर्श होगा।

धनु

समय अनुकूल है। अपने उद्देश्य के प्रति फोकस बनाए रखें। अनुभवी लोगों के साथ समय बिताने से बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा। दौड़-धूप ज्यादा रहेगी, लेकिन काम की सफलता भी तय है।

मकर

घर के वरिष्ठ सदस्य का मार्गदर्शन और स्नेह पारिवारिक व्यवस्था को सुखद बनाए रखेगा। घर में कोई धार्मिक गतिविधि होने से सकारात्मक वातावरण रहेगा। फाइनेंस से जुडी कोई समस्या सुलझने से राहत मिलेगी।

कुंभ

वित्तीय योजनाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित रखें। किसी महत्वपूर्ण या राजनीतिक व्यक्ति से लाभदायक मुलाकात हो सकती है। घर में किसी अविवाहित व्यक्ति के लिए रिश्ता आने की संभावना है।

मीन

कोई सरकारी मामला अटका हुआ है, तो आज उसके सुलझने की संभावना है। कुछ समय धार्मिक स्थल या अनुभवी लोगों के साथ बिताने से सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। इससे आपको जीवन के अच्छे पहलुओं को समझने में भी मदद मिलेगी।

डिजिटल पुलिसिंग में जबलपुर अव्वल: ई-एफआईआर में प्रदेश में पहला, ई-विवेचना में तीसरा स्थान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पुलिसिंग के डिजिटलीकरण की दिशा में जबलपुर ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम) प्रोजेक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते जिला ई-एफआईआर दर्ज करने में मध्यप्रदेश में पहले स्थान पर पहुंच गया है, जबकि ई-विवेचना में तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी कार्यक्षमता का परिचय दिया है।

तकनीक के बेहतर उपयोग से मिली सफलता

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना के तहत संचालित इस मिशन मोड प्रोजेक्ट का उद्देश्य अपराध और अपराधियों की रियल टाइम ट्रैकिंग सुनिश्चित करना है। जबलपुर पुलिस ने इस दिशा में तकनीक का बेहतर उपयोग करते हुए लगातार सुधार किए हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम अब रैंकिंग में दिखाई दे रहा है।

टैबलेट से जांच प्रक्रिया में आई तेजी

विवेचकों को टैबलेट के जरिए केस डायरी लेखन, घटनास्थल का नक्शा तैयार करने और साक्ष्यों के फोटो-वीडियो अपलोड करने का प्रशिक्षण दिया गया। इससे जांच प्रक्रिया में तेजी, पारदर्शिता और सटीकता आई है।

अन्य जिलों के लिए मॉडल बना जबलपुर

इन सभी प्रयासों का असर प्रदेश स्तर की रैंकिंग में स्पष्ट दिखाई दिया है। ई-एफआईआर में पहला और ई-विवेचना में तीसरा स्थान हासिल कर जबलपुर पुलिस अब अन्य जिलों के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रही है। पुलिस विभाग का मानना है कि आने वाले समय में डिजिटल साक्ष्य संकलन और ऑनलाइन प्रक्रियाओं को और मजबूत कर अपराध नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

नियमित समीक्षा और प्रशिक्षण पर जोर

एसपी सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस कंट्रोल रूम में राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और विवेचकों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। साथ ही डिजिटल सिस्टम को मजबूत करने के लिए कार्यशालाओं के माध्यम से ई-साक्ष्य, ई-विवेचना, ई-एफआईआर, ई-चालान और ई-समन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

रेलवे बंगले में घुसने की कोशिश में चोर घायल कर्मचारियों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुख्य रेलवे स्टेशन स्थित श्वेतांबरी रेस्ट हाउस के सामने बने रेलवे बंगला नंबर सी-पी/2 में चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। दीवार फांदकर अंदर घुसने की कोशिश के दौरान चोर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे रेलवे कर्मचारियों ने पकड़कर सिविल लाइन पुलिस के हवाले कर दिया।

आवाज सुनकर मौके पर पहुंचीं अधिकारी

जानकारी के अनुसार पश्चिम मध्य रेलवे जोन कार्यालय में चीफ कमर्शियल इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत महिला कर्मचारी पुष्पा द्विवेदी ने बताया कि सुबह करीब 9:30 बजे जब वे कार्यालय जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी बंगले के पीछे से दीवार फांदने की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचने पर एक युवक झाड़ियों में फंसा हुआ मिला।

सुरक्षा बढ़ाने की मांग

रेलवे कर्मचारियों का कहना है कि स्टेशन क्षेत्र में हर समय भारी भीड़ रहती है, इसके बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। उन्होंने आरपीएफ और जीआरपी के साथ-साथ जिला पुलिस बल की चौकी स्थापित करने की मांग की है, ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है।

कर्मचारियों की मदद से पकड़ा गया आरोपी

रेलवे कर्मचारियों की मदद से युवक को पकड़कर तुरंत सिविल लाइन थाने पहुंचाया गया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है।

पहले भी हो चुकी है चोरी की कोशिश

बताया गया कि इससे एक दिन पहले भी एक विकलांग व्यक्ति बंगले में घुसने की कोशिश कर चुका था, जिसकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से रेलवे कर्मचारियों में दहशत का माहौल है।

13 वर्षीय बालक लापता, पिता से मारपीट का आरोप पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

खमरिया थाना क्षेत्र के आमाखो इलाके से 13 वर्षीय बालक के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने जहां बच्चे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है, वहीं एक व्यक्ति पर मारपीट करने का आरोप भी लगाया है।

खेलने निकला था, शाम तक नहीं लौटा

जानकारी के अनुसार पटेल परिवार का 13 वर्षीय बालक निहाल पटेल अपने दोस्तों के साथ खेलने के लिए घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। इससे चिंतित परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

थाने में दर्ज कराई गुमशुदगी

बच्चे के माता-पिता ने खमरिया थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिजनों के अनुसार निहाल कक्षा आठवीं का छात्र है और गांव के ही हेमराज यादव के बेटे के साथ खेलने गया था।

पिता से मारपीट का आरोप

लापता बच्चे के पिता नीलेश पटेल ने आरोप लगाया कि जब वे हेमराज यादव के घर बेटे के बारे में पूछने पहुंचे, तो उनके साथ मारपीट कर भगा दिया गया। उन्होंने इस संबंध में पुलिस से शिकायत करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस जुटी जांच में

फिलहाल पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही मारपीट के आरोपों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।

एन.जी.टी. के आदेश पर प्रशासन का प्लास्टिक मुक्त शहर मिशन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने अब निर्णायक कदम उठाया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) द्वारा जारी सख्त निदेशों के पालन में, अब शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ एक बड़ा संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। इस मुहिम की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिला प्रशासन, नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मिलकर एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार की है।

बड़े अधिकारियों को सौंपी गई कमान

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने इस अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से एस.डी.एम. अनुराग सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है, नगर निगम की ओर से अपर आयुक्त (वित्त) अशफाक परवेज कुरैशी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। ये अधिकारी न केवल कार्रवाई की निगरानी करेंगे, बल्कि शहर के थोक विक्रेताओं और व्यावसायिक क्षेत्रों में औचक निरीक्षण का नेतृत्व भी करेंगे।

मैदान में उतरेगी स्पेशल टास्क फोर्स

प्रशासन ने इस अभियान के लिए एक कुशल टीम का गठन किया गया है, जो वार्ड स्तर से लेकर मुख्य बाजारों तक सक्रिय रहेगी। इस टीम में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से श्री सोनी और उनकी तकनीकी टीम, नगर निगम से उपायुक्त संभव अयाची, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, पोला राव, और अनिल बारी जैसे अनुभवी अधिकारी रहेंगे। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निदेर्शानुसार आज निगम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बलदेवाग स्थित सिद्धांत ठाकुर/आर.एस. ठाकुर की मकरोनिया ट्रांसपोर्ट के एक गोदाम पर छापेमारी कर सौ बोरी प्लास्टिक पन्नी को जब्त करने की कार्यवाही के साथ संचालक पर एक लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया।

ट्रांसको इंजीनियर्स को दिया जा रहा है एडवांस प्रशिक्षण

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एमपी ट्रांसको के नवागत जूनियर इंजीनियर्स को उन्नत तकनीकी दक्षता प्रदान करने हेतु भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन संचालित नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (उत्तरी क्षेत्र), बदरपुर (नई दिल्ली) में 12 सप्ताह का गहन इंडक्शन प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो 23 फरवरी से प्रारंभ हुआ है। इस प्रशिक्षण में 7 महिला इंजीनियर सहित कुल 60 जूनियर इंजीनियर्स शामिल हैं। प्रशिक्षण के दौरान सबस्टेशन एवं ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस, प्रबंधन, अकाउंटिंग तथा विभिन्न तकनीकी विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता राजीव अग्रवाल ने संस्थान का दौरा कर प्रशिक्षण गतिविधियों एवं प्रशिक्षुओं की प्रतिक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण उच्च मानकों एवं अनुशासन के साथ संचालित हो रहा है।

राष्ट्रीय ग्रिड की कार्यप्रणाली से परिचय : प्रशिक्षण के अंतर्गत इंजीनियर्स को राष्ट्रीय ग्रिड की कार्यप्रणाली, एडवांस टेक्नोलॉजी, ट्रांसमिशन नेटवर्क के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस, सुरक्षा मानकों, आपातकालीन परिस्थितियों में कार्यप्रणाली तथा मेंटेनेंस स्टाफ प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जा रही है। यह प्रशिक्षण आंतरिक मूल्यांकन का हिस्सा होगा, जिसके आधार पर वरीयता निर्धारित की जाएगी। प्रशिक्षण उपरांत संस्थान द्वारा परीक्षा भी आयोजित की जाएगी।

नवरात्र में मौसम रहेगा सुहाना, 26 से फिर बदलेगा मिजाज, बादल-बारिश के आसार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

होली के बाद बढ़ रही गर्मी पर नवरात्र के दौरान ब्रेक लग गया है। मौसम विभाग के अनुसार पूरे नवरात्र तक मौसम अपेक्षाकृत सुहाना बना रह सकता है। हालांकि 26 मार्च से एक बार फिर मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं।

दो पश्चिमी विक्षोभ दिखाएंगे असर

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 26 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पूर्वी मध्यप्रदेश को प्रभावित कर सकता है। इसके असर से 26-27 मार्च को बादल, बारिश और आंधी जैसी स्थिति बन सकती है। इसके बाद 29 मार्च से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आगामी एक सप्ताह तक तापमान में विशेष वृद्धि की संभावना नहीं है।

शहर का अधिकतम तापमान करीब 34-35 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलेगी।

वर्तमान तापमान सामान्य

स्थानीय मौसम केंद्र के प्रभारी अधिकारी देवेंद्र तिवारी के अनुसार, बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य है। वहीं मंगलवार को अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

बादल और बारिश के बन रहे संकेत

मौसम विभाग का कहना है कि 26 मार्च के बाद दो से तीन दिनों तक बादल छाने, आंधी चलने और हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं। इससे तापमान में हल्की गिरावट भी देखने को मिल सकती है।कुल मिलाकर नवरात्र के दौरान मौसम राहत भरा रहेगा, लेकिन बीच-बीच में बदलते मौसम से सावधान रहने की जरूरत होगी।

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे: आकस्मिक चिकित्सा, सभी विभागों में भर्ती, एम्बुलेंस तथा दवाईयां, पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, आस्थित रोग, नाक-कान-गला, स्त्री एवं प्रस्तुति रोग, बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन, कैंसर, मूत्र रोग विभाग
●पॉईजनिंग ●बर्न यूनिट ●हॉर्ट अटैक ●एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

सुधा मल्टी स्पेशालिटी हॉस्पिटल एण्ड हाई रिस्क प्रेगनेन्सी सेन्टर
डॉ. सुधा चौबे एम.एस. (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. मयंक चौबे फैमिली फिजीशियन 24 घण्टे भर्ती की सुविधा उपलब्ध
सुविधा: सुसज्जित गायनिक विभाग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) मेडिसिन विभाग प्लास्टिक सर्जरी न्यूरो सर्जरी विभाग जनरल सर्जरी विभाग यूरोलॉजी विभाग पाईजन यूनिट आर्थो विभाग एवं ट्रामा यूनिट, नाक, कान, गला (ई.एन.टी.) एक्स-रे, खून, पेशाब की जांच (पैथोलॉजी) सोनोग्राफी डी- फिब्रीलेटर, वेन्टीलेटर- आई.सी.यू. की सुविधा एम्बुलेन्स सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध है
837, गोल बाजार, जबलपुर, 9111014804
All Cashless Cards Accepted फोन- 07613130822

प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
प्रवेश प्रारंभ
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
⇨ 9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
⇨ 10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शामः4 तक)

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

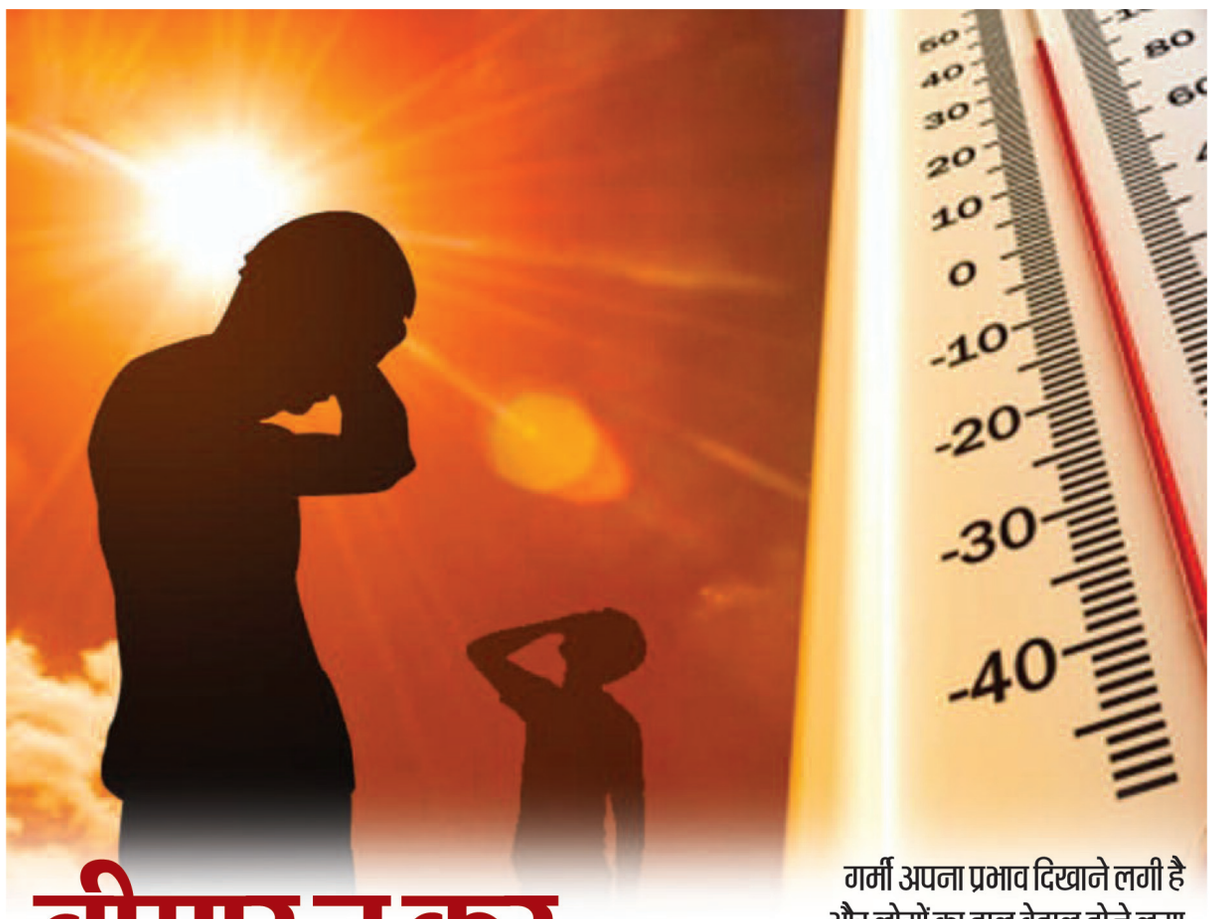

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

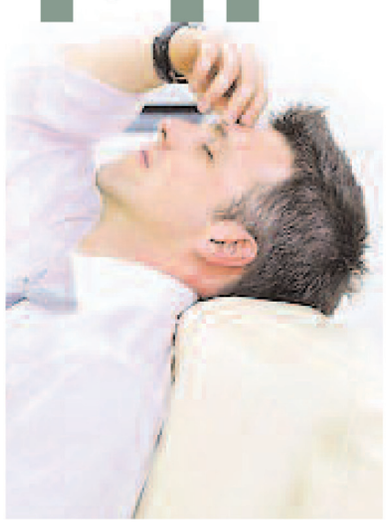

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

8 साल बाद 1800 करोड़ी फिल्म के एक्टर संग वापसी करेंगी

अनुष्का शर्मा

अपकमिंग फिल्म पर आया अपडेट

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में अनुष्का शर्मा का नाम टॉप लीडिंग एक्ट्रेस में लिया जाता है. उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है और एक से बढ़कर एक रोल प्ले किए हैं. लेकिन एक्ट्रेस पिछले कुछ सालों से एक्टिंग से दूरी बनाए हुए हैं. काफी समय से उनके कमबैक को लेकर खबरें आ रही हैं. लेकिन कोई भी कन्फर्मेशन अब तक नहीं आ चुकी है. लेकिन अब एक्ट्रेस के कमबैक पर कुछ बड़े अपडेट्स आए हैं जो फैंस के चेहरे पर मुस्कुराहट ला सकते हैं. अगर सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही एक्ट्रेस अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट से जुड़ सकती हैं.लेकिन एक्ट्रेस का कमबैक सिर्फ कमबैक ही नहीं होगा बल्कि डेब्यू भी होगा. क्योंकि रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस साउथ सिनेमा की बढ़ती पॉपुलैरिटी और बॉलीवुड स्टार्स की बढ़ते पार्टिसिपेशन के मद्देनजर अपना साउथ डेब्यू कर सकती हैं. बता रहे हैं कि उनका अपकमिंग प्रोजेक्ट कौन सा हो सकता है.

किस फिल्म से कमबैक करेंगी अनुष्का शर्मा ?

तमाम रिपोर्ट्स की मानें तो अनुष्का साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म AA22×A6 से कमबैक कर सकती हैं. अगर ऐसा होता है तो ये उनका साउथ डेब्यू होगा. हालांकि अभी ना तो मेकर्स की ओर से और ना तो खुद एक्ट्रेस की ओर से इसपर किसी तरह का कन्फर्मेशन आया है. इसके पहले वे महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म चकदहा एक्सप्रेस से वापसी करने वाली थीं. लेकिन किसी कारणवश इस फिल्म पर काम पूरा नहीं हो सका और फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई. अब एक्ट्रेस साउथ इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करती नजर आ सकती हैं.

AA22×A6 फिल्म पर और क्या अपडेट्स हैं ?

AA22×A6 फिल्म की बात करें तो पुष्पा 2 के बाद ये साउथ सुपरस्टार की बड़ी फिल्म है जिसे पैरेलल यूनिवर्स पर आधारित बताया जा रहा है. इस फिल्म का निर्देशन शाहरुख खान की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर एटली कर रहे हैं. फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं. वहीं इसमें रश्मिका मंदाना के नेगेटिव रोल में होने की भी खबरें हैं. वहीं रिपोर्ट्स में तो ये भी सामने आया है कि अल्लू इस फिल्म में कई अलग-अलग किरदार करते नजर आ सकते हैं. फिलहाल फिल्म को लेकर अभी ज्यादा अपडेट नहीं आए हैं लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि मेकर्स अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म का टीजर और टाइटल जारी कर सकते हैं.

'धुरंधर: द रिवेंज' को लेकर

दीपिका पादुकोण

ट्रोल, स्क्रीनिंग मिस करने-पोस्ट न करने पर फैंस नाराज

रणवीर सिंह की 'धुरंधर: द रिवेंज' जहां बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है, वहीं फिल्म से जुड़ा एक अलग ही विवाद अब सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. 19 मार्च को फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी, जिसके बाद से फिल्मी सितारों से लेकर आम लोग भी इसकी तारीफ कर चुके हैं. लेकिन, फिल्म को लेकर एक अलग चर्चा शुरू हुई है, जिसकी वजह बनी हैं रणवीर सिंह की पत्नी दीपिका पादुकोण, जिन्हें लेकर फैंस सवाल उठा रहे हैं कि आखिर उन्होंने अब तक फिल्म को लेकर कोई पोस्ट या रिएक्शन क्यों नहीं दिया.

'धुरंधर: द रिवेंज' की जबरदस्त सफलता के बीच दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस न तो फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग में नजर आईं और न ही उन्होंने अपने पति रणवीर सिंह की इस बड़ी रिलीज को लेकर कोई सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया. यही बात अब इंटरनेट यूजर्स के बीच चर्चा का विषय बन गई है. कई लोगों का कहना है कि जब फिल्म इतनी बड़ी हिट हो रही है, तो दीपिका को इसे सपोर्ट करना चाहिए था.

कॉन्सर्ट में नजर आईं दीपिका

कुछ यूजर्स ने तो ये तक लिख दिया कि वो दूसरे मुद्दों पर लंबी पोस्ट करती हैं, लेकिन पति की फिल्म के लिए एक स्टोरी भी नहीं डाली. मामला तब और बढ़ गया, जब फिल्म की स्क्रीनिंग मिस करने के बाद दीपिका अगले ही दिन अपने ससुराल वालों के साथ एक कॉन्सर्ट में नजर आईं. इस बात ने सोशल मीडिया पर और सवाल खड़े कर दिए. लोगों ने उनकी इस मौजूदगी और फिल्म से दूरी को जोड़कर देखना शुरू कर दिया, जिससे बहस और तेज हो गई.

पहले भी उठे हैं कई बार सवाल

हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब दीपिका की चुप्पी चर्चा में आई हो. इससे पहले भी कई मौकों पर उनकी सोशल मीडिया एक्टिविटी को लेकर सवाल उठ चुके हैं, लेकिन हर बार फैंस का एक ग्रुप उनके सपोर्ट में भी खड़ा हुआ है. कुछ लोगों का मानना है कि किसी रिश्ते को सोशल मीडिया पोस्ट से जज नहीं किया जाना चाहिए. वहीं दूसरी तरफ, इंडस्ट्री में भी ये बात नोटिस की जा रही है कि दीपिका ने अभी तक फिल्म की सक्सेस पर कोई रिएक्शन नहीं दी है.

जैसलमेर के महल में शुरू हुई 'गद्दारों' की तलाश, करण जौहर ने किया सीजन 2 का ऐलान

ओटीटी की दुनिया में माइंड गेम्स और सस्पेंस का सबसे बड़ा खेल एक बार फिर शुरू होने वाला है. जी हां, करण जौहर अपने सुपरहिट और चर्चित रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन के साथ धमाकेदार वापसी कर रहे हैं. पिछले साल प्राइम वीडियो पर जबरदस्त सफलता हासिल करने के बाद, मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इसके सीजन 2 का ऐलान कर दिया है.

सूत्रों की मानें तो शो की शूटिंग राजस्थान के जैसलमेर स्थित उसी आलीशान सूर्यगढ़ पैलेस में शुरू हो चुकी है, जहां पिछला सीजन शूट हुआ था. करण जौहर ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पहले सीजन के लॉन्च के महज 13 दिनों के भीतर ही दूसरे सीजन पर काम शुरू कर दिया गया था, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है. इस बार खेल और भी बड़ा होने वाला है क्योंकि इसे अब रीजनल भाषाओं में भी विस्तार दिया जा रहा है. 'द ट्रेटर्स' का तेलुगु वर्जन भी तैयार है, जिसे 'हनु-मान' फेम स्टार तेजा सज्जा होस्ट करेंगे.

कौन बनेगा इस बार 'ट्रेटर' ?

सीजन 2 के कंटेस्टेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार बॉलीवुड की बोल्ड और ग्लैमरस एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत और 'द फाइबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' फेम संजय कपूर इस दिमागी खेल का हिस्सा बन सकते हैं. पिछले सीजन में हमने राज कुंद्रा, करण कुंद्रा, उर्फी जावेद, जन्नत जुबैर और आशीष विद्यार्थी जैसे दिग्गजों को एक छत के नीचे माइंड गेम्स खेलते देखा था. इस बार भी मेकर्स ने कुछ ऐसे ही चौंकाने वाले चेहरों को चुना है.

उर्फी जावेद ने मारी थी बाजी

'द ट्रेटर्स इंडिया' के पहले सीजन की स्ट्रीमिंग 12 जून से 3 जुलाई 2025 के बीच हुई थी. 1 करोड़ रुपये की इनामी राशि के लिए चले इस 'गद्दारों' के खेल में 20 सेलिब्रिटीज ने हिस्सा लिया था. अंत में, पोकर प्लेयर निकिता लूथर और सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने अपनी चतुराई से सबको मात दी और 70.5 लाख रुपये की विनिंग अमाउंट अपने नाम की थी.करण जौहर ने अपनी पोस्ट में टीम की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ी इस कदर किरदार में डूब जाते हैं कि पैलेस के बाहर भी वे उसी अंदाज में नजर आते हैं. अब देखना ये होगा कि इस बार कौन 'ट्रेटर' बनकर सबको चूना लगाएगा और कौन 'इनोसेंट' बनकर करोड़ों की इनामी राशि तक पहुंचेगा.

राम चरण की पेड्डी में हुई शाहिद कपूर की इस एक्ट्रेस की एंट्री, कैसा होगा रोल?

ऑस्कर विनिंग फिल्म RRR के लीड एक्टर राम चरण पेड्डी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म पर लगातार अपडेट आ रहे हैं. फिल्म में राम चरण के अपोजिट बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर नजर आएंगी. फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी जारी कर दिया गया है. साथ ही रश्मिका मंदाना भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. लेकिन अब इस फिल्म में एक और एक्ट्रेस की एंट्री होने जा रही है. रिपोर्ट्स की मानें तो पेड्डी में मृणाल ठाकुर के होने की चर्चा है. उनके रोल को लेकर अपडेट आ गया है लेकिन अभी इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है.

पिछले कुछ समय में मृणाल ठाकुर ने कई सारे अच्छे रोल्स प्ले किए हैं और फैंस का दिल जीता है. एक्ट्रेस बॉलीवुड के अलावा साउथ की कई फिल्मों का पहले भी हिस्सा रह चुकी हैं. अब एक्ट्रेस इस बड़ी पैन इंडिया फिल्म में नजर आएंगी. आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस के रोल पर क्या अपडेट आया है.

किस रोल में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर ?

मृणाल ठाकुर की बात करें तो एक्ट्रेस इस फिल्म में किसी रोल में नहीं होंगी बल्कि उनका कैमियो नजर आएगा. ऐसी खबरें हैं कि फिल्म में उनका डांस नंबर हो सकता है और इस डांस में वे लीड एक्टर राम चरण के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी. अगर ऐसा होता है तो फिर ये मृणाल ठाकुर के करियर की पहली पैन इंडिया फिल्म भी होगी. फिल्म को लेकर अभी ऑफिशियली ज्यादा कुछ रिवील नहीं किया गया है. लेकिन ऐसा सुनने में आ रहा है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म का टीजर जारी किया जा सकता है.

कब रिलीज हो रही है पेड्डी ?

वहीं पेड्डी फिल्म की बात करें तो ये फिल्म 30 अप्रैल 2026 को रिलीज के लिए तैयार है. राम चरण का हाल बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नजर नहीं आ रहा है. उनकी पिछली फिल्म गेम चेंजर शानदार ओपनिंग के बाद भी कमाल नहीं दिखा सकी थी और फ्लॉप साबित हुई थी.

अब वे एक और पैन इंडिया फिल्म के जरिए बॉक्स ऑफिस पर कमबैक के लिए तैयार हैं. इस फिल्म का निर्देशन बूची बाबू सना कर रहे हैं. फिल्म का बजट रिपोर्ट्स के मुताबिक 300 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है. देखने वाली बात होगी कि फैंस से इस फिल्म को कैसा रिस्पॉन्स मिलता है.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. **MPHIN**/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com